

रुसी तेल पर ट्रंप लगाएंगे 25 से 50 प्रतिशत सेकंडरी टैरिफ !

नई दिल्ली/ए। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध विराम को लेकर किसी भी सहमति पर नहीं पहुंच पाने के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर भड़क गए हैं। हालांकि, उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के रुख को लेकर उन पर भी निशाना साधा है। रविवार को ट्रंप ने पुतिन के व्यवहार की आलोचना करते हुए ना सिर्फ उस पर निराशा जताई बल्कि धमकी दी कि अगर रूसी नेता एक महीने के भीतर युद्ध विराम पर सहमत नहीं होते हैं तो

वे माँस्को के तेल निर्यात पर सेकंडरी टैरिफ यानी 25 से 50 फीसदी तक का अतिरिक्त टैरिफ लगा देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एनबीसी न्यूज के साथ एक टेलीफोन साक्षात्कार में संकेत दिया कि वह 25 प्रतिशत या 50 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे, जो रूसी तेल खरीदने वाले देशों को प्रभावित करेगा। इस दौरान उन्होंने ईरान पर बमबारी की भी धमकी दी और ग्रीनलैंड में बल प्रयोग से इनकार नहीं किया। ट्रंप ने कहा, अगर यूक्रेन में खून-खराबे को रोकने के लिए रूस और हम

कोई समझौता नहीं कर पाते हैं, और अगर मुझे लगता है कि यह रूस की गलती है, जो कि हो सकता है कि न भी हो, लेकिन अगर मुझे लगता है कि यह रूस की गलती है, तो मैं रूस से आने वाले सभी तेल पर सेकंडरी टैरिफ लगाने जा रहा हूँ। इससे यह होगा कि अगर आप रूस से तेल खरीदते हैं, तो आप संयुक्त राज्य अमेरिका में व्यापार नहीं कर सकते। सभी तेल पर 25प्रतिशत टैरिफ होगा, सभी तेल पर 25 से 50-पॉइंट टैरिफ होगा।

क्या कह रहे विश्लेषक: अब



ऐसे में सवाल उठता है कि अगर रूस ने यूक्रेन युद्ध विराम समझौते पर अपनी सहमति नहीं दी और ट्रंप ने रूसी तेल निर्यात पर 25 से 50 फीसदी की टैरिफ लगाया तो किन-किन देशों को इसका नुकसान

उठाना पड़ सकता है। इसके जवाब में विश्लेषकों और अधिकारियों का कहना है कि अगर डोनाल्ड ट्रम्प रूसी तेल खरीदने वाले देशों के खिलाफ 25-50व टैरिफ लगाते हैं, तो चीन और भारत इससे

सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

दरअसल, 2022 में यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध छिड़ने के बाद अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। उसके तेल खरीदने पर भी बैन लगा दिया गया था लेकिन भारत और चीन के अलावा कुछ और देशों ने रूस से तेल खरीदना चालू रखा। ऐसे में अमेरिका द्वारा सीधे खरीददारों पर सेकंडरी टैरिफ लगाने से न केवल पुतिन की तेल राजस्व तक पहुंच कम हो सकती है बल्कि जो देश

इसका उल्लंघन करेंगे उन्हें भी आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ सकता है। रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों में शामिल न होने के बावजूद, चीन इसका उल्लंघन करने के बारे में सावधान रहा है, क्योंकि उसे सेकंडरी टैरिफ का डर सताता रहा है। उदाहरण के लिए, कुछ चीनी बैंकों ने अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रणाली से प्रतिबंधित होने के डर से रूसी कंपनियों के साथ लेन-देन कम कर दिया है।

चीन को भारत ने छोड़ा पीछे-मल्टीनेशनल इन्वेस्टमेंट

बैंक और वित्तीय सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी ब्रूस् के विश्लेषक जियोवानी स्टानोवो ने द गार्डियन से कहा, "जैसा कि ट्रम्प ने वेनेजुएला के तेल के मामले में किया है, वैसा ही रूस के मामले में खरीदारों को लक्षित करने के लिए कर सकते हैं।

इस कदम से चीन और भारत प्रभावित हो सकता है। हालांकि, हमें यह देखना होगा कि आने वाले दिनों में क्या घोषणा होती है। बता दें कि भारत चीन को पीछे छोड़ते हुए समुद्री रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है।

मध्यप्रदेश में ईद का उल्लास ईदगाह में पढ़ी गई नमाज

भोपाल /नवप्रदेश। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल समेत आज समूचे राज्य में ईद का त्योहार पारंपरिक तरीके से पूर्ण उल्लास से मनाया जा रहा है।राजधानी भोपाल में आज ईदगाह पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज पढ़ी और एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। लोगों ने एक-दूसरे को सेवझां खिला कर ईद का जश्न मनाया। राजधानी के पुराने भोपाल क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग ईद मनाते हुए देखे गए।राज्य के दूसरे शहरों इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत दूसरे स्थानों से भी इसी प्रकार के आयोजनों की सूचनाएं हैं।राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को ईद की बधाई देते हुए कहा, 'ईद मुबारक... अमन व भाईचारे के त्योहार ईद-उल-फ़ितर पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ईद की शुभकामनाओं का संदेश एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'आप सभी को ईद-उल-फ़ितर की हार्दिक शुभकामनाएं।'प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा, 'ईद मुबारक! हर घर में रहमतों की बारिश हो! खुशहाली, तरक्की, ईसाणियत की बुलंदी हो!

ट्रैफिक चालान तीन महीने से नहीं भरा तो लाइसेंस पर होगा खतरा



नई दिल्ली/(ए.)। ट्रैफिक चालान की दरों में इजाफे के बाद अब सरकार नियमों को और सख्त करने जा रही है। अब जो नया ड्राफ्ट तैयार हो रहा है, उसमें प्रस्ताव है कि यदि किसी ई-चालान की पेमेंट तीन महीने के अंदर नहीं की गई तो फिर ड्राइवर का लाइसेंस निर्लिबित कर दिया जाएगा। वहीं खतरनाक ड्राइविंग और रेड लाइट पाक करने जैसी तीन गलतियां एक साल के अंदर करने वालों का लाइसेंस ही तीन महीने के लिए जफ्त कर लिया जाएगा। ऐसे प्रस्ताव पर सरकार इसलिए विचार कर रही है क्योंकि करीब 40 फीसदी ई-चालान का ही लोग भुगतान करते हैं। ऐसे में चालान की रिकवरी बढ़ाने के लिए नियमों को सख्त करने की तैयारी है। इसके अलावा लाइसेंस पर ही खतरा दिखेगा तो लोगों में ड्राइविंग को लेकर कुछ गंभीरता भी देखने को मिल सकती है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि बड़े पैमाने पर ट्रैफिक चालान अदा ही नहीं किए जा रहे। इससे चालान के माध्यम से रैश ड्राइविंग पर रोक लगाने का उद्देश्य ही पूरा नहीं हो पा रहा। इसके अलावा एक प्रस्ताव यह भी है कि जिन लोगों पर कम से कम दो चालान पेंडिंग पड़े हैं, उनके वाहन के बीमा प्रीमियम में इजाफा कर दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 23 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों से रिपोर्ट मांगी थी कि आखिर वीकल्स ऐक्ट के तहत ट्रैफिक चालान काटने और उन्हें अदा करने का स्टेटस क्या है। इस ऐक्ट के तहत ही सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्पॉट गन लगाने और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली उन राज्यों में से एक है, जहां ट्रैफिक चालान काफी ज्यादा हो रहे हैं, लेकिन उनकी रिकवरी बहुत कम है। दिल्ली में ट्रैफिक चालान की रिकवरी 14 पर्सेंट ही है, जबकि यूपी में यह आंकड़ा 27 फीसदी है। ओडिशा में 29 फीसदी है। इसके अलावा हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार और मध्य प्रदेश में भी ऐसी ही स्थिति है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि कई वजहों से लोग चालान नहीं भरते या उसमें देरी करते हैं। पहला यह कि लंबे समय तक न चुकाने की एवज में कोई पेनल्टी या दंडात्मक ऐक्शन का प्रावधान नहीं है। इसके अलावा कई बार बकाया चालान को निपटाने के लिए लोग लंबे समय बाद लोक अदालत का सहारा लेते हैं। और वहां उन्हें छूट मिल जाती है। ऐसे में लोग कई बार जानबूझकर चालान दालते रहते हैं। ऐसे भी कई वाहन हैं, जिन पर एक लाख या दो लाख रुपये तक के चालान बकाया हैं।

गर्भवती महिला के पैरों के बीच जला दिए पटाखे



ताइवान (ए)। ताइवान की एक घटना को जिसने भी सुना वो हैरान रह गया। खबर है कि यहां एक धर्मस्थल में अनुष्ठान के नाम पर गर्भवती महिला के पैरों के बीच पटाखे चला दिए। इस घटना के बाद महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है और उनका गर्भपात भी हो गया है। फ्लिहाल, एक ओर जहां महिला का इलाज जारी है। वहीं, धर्म स्थल के सदस्यों को मुआवजा देने के आदेश दिए हैं।साउथ चाइना मॉनिंग पोस्ट की खबर के अनुसार, 19 फरवरी 2023 को कियू नाम की एक नर्स को धर्म स्थल में काम करने वाले स्टाफ के एक सदस्य झांग ने अनुष्ठान में शामिल होने के लिए बुलाया था। इसके तहत झांग ने महिला को जूते उतारने और पैर फैलाने के लिए कहा। इसके बाद उनके दोनों पैरों के पास पटाखे रख दिए गए। स्टाफ के एक अन्य सदस्य ने उनमें आग लगा दी।रिपोर्ट के अनुसार, पटाखों के चलते कियू का शरीर 30 फीसदी तक जल गया और उनका गर्भपात हो गया। खबर है कि सर्जरी के बाद भी वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो सकी है। इस घटना के बाद कियू ने झांग और वू पर केस कर दिया और मुआवजे में 53 हजार अमेरिकी डॉलर मांगे। अब झांग और वू भी इस घटना को स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने मुआवजा राशि पर सवाल उठाए हैं।कोर्ट ने दोनों स्टाफ सदस्यों को जिम्मेदार माना है और 30 हजार अमेरिकी डॉलर देने के आदेश दिए हैं।

जुमे की नमाज पढ़ रहे थे 700 से ज्यादा मुस्लिम परिवारों की भूकंप ने एक झटके में ले ली जान

नई दिल्ली (ए)। म्यांमार और थाईलैंड में बीते शुक्रवार भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। इस भूकंप ने म्यांमार में जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। चारों तरफ मलबे ही मलबे नजर आ रहे हैं और लोग अपने परिजनों की खोज में जुटे हुए हैं। इस बीच 1700 लोगों के मौत की पुष्टि हो चुकी है और हजारों लोगों के मारे जाने की आशंका है। रिकटर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 7.7 नापी गई थी। झटका इतना जोरदार था कि लोगों को संभलना का कोई मौका नहीं मिला। इस हादसे से जुड़ी कई दर्दनाक कहानियां अब सामने आ रही हैं। देश के एक मुस्लिम संगठन ने बताया है कि इस दौरान जुमे की नमाज पढ़ रहे 700 लोग एक झटके में मारे गए।

संगठन ने बताया कि रमजान के पाक महीने में उस वक्त 700 से ज्यादा लोग नमाज अदा कर रहे थे। स्पिंग रिवोल्यूशन म्यांमार



हताहतों की संख्या का पता लगाना मुश्किल

इस बीच यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मस्जिदों में मारे गए लोगों की संख्या भूकंप में मारे गए 1,700 से अधिक लोगों की आधिकारिक संख्या में शामिल है या नहीं। सरकार के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन टुन ने बताया है कि इस हादसे में 3,400 लोग घायल हुए हैं और 300 से अधिक लोग लापता हैं। खबरों के मुताबिक प्रभावित क्षेत्रों में मरने वाले और घायल लोगों की वास्तविक संख्या आधिकारिक आंकड़ों से कई गुना अधिक हो सकती है। देश भर में फैली अराजकता की वजह से कई क्षेत्रों में नुकसान के बारे में पता नहीं लगाया जा सका है।

मुस्लिम नेटवर्क की संचालन समिति के सदस्य ने सोमवार को बताया कि देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास आए भूकंप में करीब 60 मस्जिदें ढह

गईं। इरावदी न्यूज साइट पर पोस्ट किए गए वीडियो में भूकंप के दौरान कई मस्जिदें गिरती हुई दिखाई दे रही हैं। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर

ट्रंप और नेतन्याहू के खिलाफ हमारा नेता ने उगला जहर

दु दुनिया में जहां भी हो हथियार उठा लो

गाजा (ए)। इजरायल और हमारा के बीच जंग से गाजा में अचानक तनाव गहरा गया है। ईद के दिन इजरायल ने गाजावासियों पर जमकर कहर बरपाया। इस बीच हमारा ने भी अपने तेवर तीखे कर दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विवादस्पद योजना, जिसमें दो मिलियन से अधिक गाजा निवासियों को मिस्र और जॉर्डन जैसे पड़ोसी देशों में बसाने की बात कही जा रही है, अब हमारा के कड़े विरोध के केंद्र में आ गई है। इस फैसले के खिलाफ हमारा



नेता सामी अबू जुहरी ने अपने समर्थकों से हथियार उठाने तक की अपील कर डाली। उनका यह बयान वैश्विक स्तर पर गंभीर प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है और क्षेत्र में हिंसा की एक नई लहर छेड़ सकता है। इससे मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर गहरा गया है।

हमारा के सीनियर नेता सामी अबू जुहरी ने सोमवार को दुनिया भर में अपने समर्थकों से अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना का विरोध करने के लिए हथियार उठाने का आह्वान किया। ट्रंप की यह योजना गाजा के 2 मिलियन से अधिक निवासियों को मिस्र और जॉर्डन जैसे पड़ोसी देशों में स्थानांतरित करने से संबंधित है।

अबू जुहरी ने एक बयान में कहा, इस घातक योजना का मुकाबला करने के लिए, जो नरसंहार और भुखमरी को मिलाकर बनाई गई है, जो भी व्यक्ति हथियार उठ सकता है, उसे दुनिया में कहीं से भी कार्रवाई करनी चाहिए।- उन्होंने यह भी कहा, "एक भी विस्फोटक, गोली, चाकू या पत्थर न रोके।

हर किसी को अपनी चुप्पी

जस्टिन टूडो की गलतियों पर पछता रही कनाडा सरकार

दु भारत के साथ रिश्ते सुधारना बहुत जरूरी

नई दिल्ली (ए)। जस्टिन टूडो के कार्यकाल में भारत और कनाडा के संबंध बेहद खराब हो गए थे। वहीं कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को इस बात का अहसास हो गया है कि भारत के साथ अच्छे संबंध बेहद जरूरी हैं। उन्होंने अपनी कैबिनेट में भी दो भारतीय मूल की महिलाओं को भी जगह दी है। कार्नी कैबिनेट में मंत्री अनीता आनंद ने भारत के साथ संबंधों को लेकर खुलकर बयान दिया है। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि जिन देशों के लोग यहां आकर बस गए हैं



उनके साथ मधुर संबंध भी जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते रहने चाहिए, उनमें मेरी मां और पिता की मातृभूमि भारत भी शामिल है। अनीता आनंद प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की करीबी मानी जाती हैं। मौजूदा सरकार में वह इन्वोवेशन, साईंस एंड इंस्ट्रुटी मिनिस्टर हैं। जनवरी में उन्होंने यह भी कह दिया था कि आने वाले आम

चुनाव में वह शामिल हो नहीं होंगी। हालांकि मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपना फैसला बदल लिया। अनीता आनंद के माता-पिता पेशे से डॉक्टर हैं और भारत के ही हैं। उनकी स्वर्गीय मां सरोज राम अमृतसर की रहने वाली थीं। वहीं आनंद के पिता एसबी आनंद तमिलनाडु के रहने वाले हैं।मार्क कार्नी ने शायद लेने से पहले ही कह दिया था कि अगर वह अमृतसर की बनते हैं तो सबसे पहले भारत के साथ संबंध सुधारेंगे। अलबर्टा में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने मंगलवार को कहा, कनाडा उन देशों के साथ व्यापार बढ़ाने पर विचार कर रहा है।जिनके विचारों में तालमेल है।

दक्षिण अफ्रीका में हनुमान चालीसा का क्रेज

नई दिल्ली (ए)। दक्षिण अफ्रीका में एक प्रमुख हिंदू संगठन ने देशभर के आठ मंदिरों में हनुमान चालीसा की 60,000 छोटी प्रतियां वितरित की हैं। 'एसए हिंदूज' संगठन के सदस्यों ने ग्वातेंग प्रांत के विभिन्न क्लबों के मोटरसाइकिल सवार लोगों के नेतृत्व में रविवार को वितरण अभियान चलाया और उन्होंने जरूरतमंदों में वितरित करने के लिए लगभग दो टन किराने का सामान भी एकत्र किया। उन्होंने कहा कि हम सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने मंदिरों में लोगों ने काफी मदद की। लोगों की सहायता के लिए उन्होंने राशन भी बांटा है। 'एसए हिंदूज' की संस्थापक पंडिता लूसी सिगबन ने कहा, हमें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत सारे भक्त मंदिरों में आए और खासकर



क्राजुलू-नाताल (केजेडपुन) जैसे पास के प्रांतों के भी लोग इस पहल का बड़े ही उत्साह के साथ समर्थन कर रहे थे।- दक्षिण अफ्रीका के हिंदुओं ने सबसे पहले 24 अगस्त 2024 को भक्ति के उत्सव के दौरान 'शेरेनो प्रिंटस' और 'इलेक्ट्रो ऑनलाइन मीडिया' के साथ साझेदारी में 10 लाख हनुमान चालीसा की प्रतियां वितरित करने की पहल की शुरूआत की। उनकी योजना 2029 तक हनुमान चालीसा की

राहुल गांधी का पीएम मोदी को पत्र

नई दिल्ली/(ए.)। लोकसभा में नेता

प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केरल, गुजरात और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में अपतटीय खनन की दी गई अनुमति को रद्द करने की मांग की है। कांग्रेस नेता ने इस खनन से समुद्री जीवन और वहां काम करने वाले मछुआरों के ऊपर पड़ने वाले प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बिना किसी आकलन के इस क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलना चिंताजनक है। केंद्र सरकार को ऐसा कोई फैसला लेने से पहले हितधारकों से बात कर लेनी चाहिए थी।रविवार को सावजनिक किए गए पत्र में लोकसभा के नेता ने पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा, मैं केरल, गुजरात और अंडमान निकोबार में अपतटीय खनन की अनुमित



देने के केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी निंदा करने के लिए यह पत्र आपको लिख रहा हूँ। यह अपतटीय खनन लाखों मछुआरों की आजीविका को प्रभावित करेगा और हमारे विविध समुद्री जीवन को अपूरणीय क्षति पहुंचाएगा। सरकार को इस निर्णय को तुरंत वापस लेना चाहिए।

राहुल ने कहा कि जिस खनन के लिए केंद्र सरकार ने अनुमति जारी कर दी है।

के लोगों द्वारा की जा रही सीधी रेल सुविधा की मांग भी पूरी हो जाएगी। वर्तमान में कश्मीर घाटी में केवल संगलदान और बारामूला के बीच और कटरा से देश भर के लिए ट्रेनें संचालित होती हैं।

अधिकारियों ने परियोजना के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कश्मीर को रेल मार्ग से जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना 1997 से ही शुरू हो गई थी लेकिन भूवैज्ञानिक, भौगोलिक और मौसम संबंधी चुनौतियों के कारण इस पूरा करने में देरी हुई। इस परियोजना में कुल 119 किलोमीटर की 38 सुरंग शामिल हैं जिनमें सबसे

लंबी सुरंग टी-49 है जो 12.75 किलोमीटर लंबी है। यह देश की सबसे लंबी परिवहन सुरंग भी है। इस परियोजना में 927 पुल भी शामिल हैं। इसकी मेहराब 467 मीटर है और यह नदी तल से 359 मीटर ऊपर है। एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा होने के कारण यह दुनिया का सबसे ऊंचा मेहराब वाला रेलवे पुल (आर्क ब्रिज) होगा।

और श्रीनगर के बीच में यात्रा का समय भी काफी कम हो जाएगा। इना ही नहीं वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवा शुरू होने से पटवन के क्षेत्र का भी विकास होगा।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पत्रकारों से इस बारे में बात करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री मोदी 19 अप्रैल को उधमपुर पहुंचेंगे। वह दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का दौरा करेंगे और उसका उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह कटरा से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

पीएम मोदी के हरी झंडी दिखाते ही लंबे समय से कश्मीर



अभी जम्मू रेलवे स्टेशन पर मरम्मत और नवीनीकरण का काम चल रहा है। एक बार उसके तैयार हो जाने के बाद फिर इसका संचालन जम्मू से किया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने कटरा और कश्मीर के बीच ट्रेन सेवा की मंजूरी दे दी थी। इस ट्रेन सेवा के शुरू होने के साथ ही जम्मू



राणा सांगा वीर योद्धा... सपा सांसद के बयान को दिग्विजय सिंह ने बताया गलत

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कई मुद्दों पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान पर असहमति जताई और बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री पर भी निशाना साधा। दिग्विजय सिंह ने अल्पसंख्यक हितों के संरक्षण की बात भी कही। उन्होंने यह सब बातें दिल्ली जाते समय रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बात करते हुए कहीं।

राणा सांगा को बताया महान योद्धा

दिग्विजय सिंह ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन के उस बयान पर अपनी बात रखी, जिसमें उन्होंने राणा सांगा को लेकर कुछ बातें कही थीं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि राणा सांगा एक महान योद्धा थे। उन्होंने कहा, राणा सांगा जैसा कोई योद्धा हुआ ही नहीं। शरीर पर सौ घाव होते हुए भी आखिरी दम तक वह लड़ते रहे। उन्हें गद्गार कहना उचित नहीं।

वक्फ बोर्ड पर भी बोले

वक्फ संशोधन बिल पर पूछे गए सवाल पर दिग्विजय सिंह ने



कहा कि देश में अल्पसंख्यकों के हितों का ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक हितों के संरक्षण के लिए जो प्रावधान हैं, उनमें बदलाव करने की कोई जरूरत नहीं है। दिग्विजय सिंह ने देश में गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार इन मुद्दों पर बात नहीं करती है। उनके पास हिन्दू-मुसलमान के अलावा कोई मुद्दा नहीं है।

बागेश्वर बाबा पर भी सवाल

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के सनातन धर्म के ब्रांड एम्बेसडर बनने के सवाल पर भी दिग्विजय सिंह ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जो समाज में कटुता फैलाता है, वह कभी भी सनातन धर्म का ब्रांड एम्बेसडर नहीं हो सकता। उन्होंने शब्दों में कहा कि समाज में नफरत फैलाने वाला व्यक्ति धर्म का प्रचारक नहीं हो सकता।

एमपी में काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज: फिलिस्तीन के समर्थन में बैनर वक्फ बोर्ड के लिए दुआ; मंत्री बोले-उम्माद की कोशिश बर्दाश्त नहीं



भोपाल/नवप्रदेश। देशभर के साथ मध्यप्रदेश में भी आज सोमवार को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जा रहा है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रतलाम समेत सभी शहरों के ईदगाह और मस्जिदों में सुबह नमाज-ए-खास अदा कर अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी गई।

भोपाल में कई मुस्लिम धर्मावलंबी बांह पर काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ने पहुंचे। वे वक्फ अमेंडमेंट बिल का विरोध कर रहे थे। वहीं, ईदगाह के बाहर कुछ युवा फिलिस्तीन के समर्थन में बैनर लेकर ख? नजर आए। मोती मस्जिद में भी यमन और फिलिस्तीन के साथ वक्फ बोर्ड की जायदाद की हिफाजत के लिए भी दुआ पढ़ी गई।

मध्यप्रदेश के मुफ्ती-ए-आजम मौलाना मुशाहिद रजा कादरी ने विरोध जताया है। उन्होंने इस विधेयक को मुस्लिम समुदाय के हितों के खिलाफ बताया। जबलपुर में मीडिया से बातचीत में मुफ्ती-ए-आजम ने कहा कि सरकार समाज में विभाजन पैदा कर रही है। उन्होंने सरकार के

इस पर मंत्री विश्वास सारंग ने कहा, बिना बिल पढ़े उसका विरोध करना गलत है। जब पाकिस्तान आतंकवादी हमला करता है, बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार होते हैं और कश्मीर में पंडितों पर जुल्म होता है, तब काली पट्टी क्यों नहीं बांधी जाती?

उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ संपत्तियों से गरीब मुसलमानों को कोई लाभ नहीं मिला है। इसका फायदा केवल अमीर मुस्लिम नेताओं और बेजा कब्जा करने वालों ने उठाया है। फिलीस्तीन के समर्थन वाले बैनर पर सारंग ने कहा कि देश में फिरकापरस्ती और उन्माद फैलाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सांसद आलोक बोले- कांग्रेस के इशारे पर कर रहे विरोध

भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि ईदगाह पर जिन्होंने काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी है, वो मुसलमान

नहीं हो सकते। यह कांग्रेस के इशारे पर कर रहे हैं। मैं कड़े शब्दों में इसकी निंदा करता हूं।

मंत्री सारंग बोले- बिना बिल पढ़े विरोध करना गलत

मंत्री विश्वास सारंग ने वक्फ संशोधन बिल के विरोध में काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ने और फिलिस्तीन के समर्थन में बैनर दिखाने को समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश कहा।

सारंग ने कहा- बिना बिल पढ़े विरोध करना गलत है। वक्फ संपत्तियों से आम मुसलमानों को कोई लाभ नहीं मिला है। इसका फायदा अमीर मुस्लिम नेताओं और बेजा कब्जा करने वालों ने उठाया है।

फिलिस्तीन के समर्थन वाले बैनर पर सारंग बोले- फिरकापरस्ती और उन्माद फैलाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी संसद में फिलिस्तीन के बैग लेकर भावनाओं को भड़काने का काम कर रही हैं। जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार होते हैं, तब प्रियंका दीदी को उनके समर्थन में कोई बैग लेने की फुर्सत नहीं होती।

म्यूजिक एप का सब्सक्रिप्शन बंद कराने में रिटायर्ड अधिकारी से ठगी, खाते से निकले 1.65 लाख रुपये



भोपाल/नवप्रदेश। राजधानी भोपाल में रहने वाले भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के एक रिटायर्ड अधिकारी के बैंक खातों से एक लाख 65 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं। ठगी का अहसास होने के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत की और महीने भर की जांच के बाद प्रकरण दर्ज हो सका। जालसाज ने जिस मोबाइल नंबर से बात करके बैंक खाते से रकम ट्रांसफर की है, वह मोबाइल नंबर पश्चिम बंगाल में सक्रिय है। कमला नगर पुलिस के अनुसार विजय कुमार फगरो भेल के रिटायर्ड अधिकारी हैं और संजय काम्प्लेक्स में रहते हैं। कुछ माह पहले उन्होंने अनजाने में अपने मोबाइल में एक म्यूजिक एप का सब्सक्रिप्शन कर लिया, जिस कारण उनके बैंक खाते से हर माह निश्चित राशि कट रही थी। महीने भर पहले वे बैंक पहुंचे और जानकारी ली तो बैंक के अधिकारियों ने बताया कि म्यूजिक एप का प्रतिहमाह चार्ज बैंक से अपने आप डिडकट हो रहा है।

म्यूजिक ऐप बंद कराने पर ठगी का हुए शिकार

फरियादी ने पुलिस को बताया कि वे म्यूजिक एप का सब्सक्रिप्शन बंद कराने के लिए मोबाइल में इंस्टाल एप में ऑप्शन तलाश किया, लेकिन नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने गूगल से उक्त ऐप को बंद कराने एक नंबर तलाश किया, जो पश्चिम बंगाल से संचालित था और जालसाज का था। उक्त जालसाज ने म्यूजिक एप बंद करने का झांसा देकर फरियादी के मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करा दी और उनके मोबाइल का पूरा एक्सेस प्राप्त कर लिया। इसके बाद जालसाज ने फरियादी फगरे के खाते से 88 हजार और उनकी पत्नी के बैंक खाते से 77 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए थे। पुलिस प्रकरण दर्ज कर जालसाज के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

बीजेपी जिलाध्यक्षों,प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक : सीएम हुए शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आज मप्र के सभी भाजपा जिला अध्यक्षों, पूर्व जिला अध्यक्षों, संभाग और जिला प्रभारियों, प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक में सीएम डॉ मोहन यादव, बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा मुख्य रूप से मौजूद थे। बैठक में जिला अध्यक्षों से मंडल पदाधिकारियों और कार्यसमिति के गठन की जानकारी ली गई। जिला अध्यक्षों से जिले वार मंडल कार्यसमिति और पदाधिकारियों की नियुक्ति के बारे में पूछा गया। जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों को जानकारी साथ लेकर आने के निर्देश दिए गए थे।

शराब ठेका फर्जीवाड़ा , आरोपी विनोद रघुवंशी को झटका

तत्कालीन कलेक्टर अनुराग जैन को नहीं बना पाएंगे गवाह!

भोपाल/नवप्रदेश। 2003 के शराब ठेका फर्जीवाड़ा मामले में हाईकोर्ट ने आबकारी विभाग के एक सेवानिवृत्त उपायुक्त विनोद रघुवंशी को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने अपील की सुनवाई के दौरान तत्कालीन भोपाल कलेक्टर अनुराग जैन को अपने बचाव में गवाह के तौर पर बुलाने की मांग की थी। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इस मामले में अब हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि याचिकाकर्ता रघुवंशी को पहले से ही सभी जरूरी सबूतों और कागजातों की जानकारी थी। दरअसल, यह मामला 2003 का है, जब भोपाल में शराब की दुकानों की नीलामी में कथित तौर पर गड़बड़ी हुई थी। रघुवंशी, जो उस समय



जिला आबकारी अधिकारी थे, ने दावा किया था कि नीलामी तत्कालीन कलेक्टर अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा मंजूर की गई थी। बाद में, अशोका ट्रेडर्स नामक फर्म की दुकानों की नीलामी में कथित तौर पर गड़बड़ी हुई थी। रघुवंशी, जो उस समय

हुई, जिनमें विरोधाभास भी सामने आए। अंततः, ट्रायल कोर्ट ने रघुवंशी को धोखाघड़ी और आपराधिक साजिश के आरोप में तीन साल की सजा सुनाई। अपनी अपील के दौरान, रघुवंशी ने यह कहते हुए कलेक्टर अनुराग जैन को गवाह के तौर पर बुलाने की मांग की थी

कि कलेक्टर ही यह स्पष्ट कर सकते हैं कि उनके द्वारा भेजी गई रिपोर्ट सही तथ्यों पर आधारित थी या नहीं। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि रघुवंशी पहले भी इस मामले में निचली अदालतों और सुप्रीम कोर्ट तक अपील कर चुके हैं और सुप्रीम कोर्ट पहले ही यह कह चुका है कि पेश की गई पार्टनरशिप डीड जाली है। कोर्ट ने सीआरपीसी की धारा 391 का हवाला देते हुए कहा कि अपीलीय अदालत को न्याय सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त गवाह बुलाने का अधिकार है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं लगता कि रघुवंशी को सबूतों की जानकारी नहीं थी। इसलिए, हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया, जिससे उन्हें बड़ा कानूनी झटका लगा है।

एमपी को फिर मिली सौगात, जून से दौड़ेगी एक और वंदेभारत एक्सप्रेस

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश को फिर नई वंदेभारत एक्सप्रेस की सौगात मिली है। नई प्रीमियम ट्रेन जून से पटरियों पर दौड़ेगी। यह वंदेभारत एमपी की राजधानी भोपाल से यूपी की राजधानी लखनऊ के बीच चलेगी। इसी के साथ एमपी से यूपी के बीच सफर करनेवाले रेल यात्रियों को ट्रेनों की जबर्दस्त भीड़ से निजात मिल जाएगी और उनके समय की भी बचत होगी। हालांकि सामान्य ट्रेनों की तुलना में वंदेभारत का किराया ढाई गुना से ज्यादा होगा। भोपाल लखनऊ भोपाल के लिए अभी करीब 15 इनडायरेक्ट ट्रेनें हैं लेकिन यह सीधी ट्रेन होगी। वंदेभारत के स्टोपेज कम होंगे लेडुकिन स्पीड ज्यादा होगी। इससे यात्रा में कम समय लगेगा।

भोपाल और लखनऊ के बीच की दूरी तय करने में अभी रेल यात्रियों को खासी दिक्कतें पेश आती हैं। सभी ट्रेनों में सालभर वेटिंग बनी रहती है और यात्रा में समय भी बहुत लगता है। प्रस्तावित लखनऊ भोपाल वंदे भारत से नियमित ट्रेनों में आनेवाली सभी



प्रकार की समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। सप्ताह में एक दिन भोपाल लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस उपलब्ध है जबकि भोपाल प्रतापगढ़ एक्सप्रेस सप्ताह में 3 दिन चलती है। संत हिरदाराम नगर से जानेवाली महाकाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस भी सप्ताह में केवल 2 दिन चलती है। कुछ अन्य ट्रेनें भी हैं जिनसे घूमकर जाना पड़ता है।

भोपाल से लखनऊ के बीच प्रस्तावित वंदेभारत एक्सप्रेस सप्ताह में 6 दिन चलेगी। यह सीटिंग श्रेणी की ट्रेन होगी जिसका शेड्यूल लखनऊ रेल मंडल तय करेगा। वंदेभारत का रैक लखनऊ रेल मंडल को जल्द मिलने की संभावना है। रेल अधिकारियों के अनुसार प्रस्तावित वंदेभारत एक्सप्रेस लखनऊ से सुबह चलेगी और भोपाल से शाम

को वापस लखनऊ रवाना हो जाएगी। इसका फाइनल शेड्यूल मई माह के अंतिम दिनों में जारी हो सकता है। लखनऊ भोपाल वंदेभारत एक्सप्रेस यूपी के लखनऊ मंडल की ट्रेन होगी जोकि करीब 600 किमी के सफर में कई बड़े शहरों को जोड़ेगी। अधिकारियों के अनुसार नई वंदेभारत एक्सप्रेस के कोच अपडेट किए जा चुके हैं। ट्रेन में प्रोटेक्शन सिस्टम कवच लगाया गया है। वंदेभारत एक्सप्रेस के नए कोच में एनर्जीक्यूटिव चेंयर क्लास सीटों के पास बैग मिलेगा। लखनऊ भोपाल वंदे

भाजपा का गांव चलो, बस्ती चलो अभियान 7 अप्रैल से होगा शुरू

भोपाल/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी आगामी 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक गांव चलो, बस्ती चलो अभियान की शुरुआत करेगी, जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्यों में भाग लेंगे। इस अभियान का उद्देश्य भाजपा को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाना और जमीनी स्तर पर पार्टी की सक्रियता को बढ़ाना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक %गांव चलो, बस्ती चलो% अभियान संचालित करेगी। इस दौरान कार्यकर्ता विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्यों में भाग लेंगे। 2 अप्रैल को भोपाल में प्रदेश स्तरीय बैठक होगी, जिसमें अभियान, भाजपा स्थापना दिवस 6 अप्रैल और डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती 14 अप्रैल से जुड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा बनेगी। 6 अप्रैल को कार्यकर्ता अपने घर और कार्यलयों में पार्टी का झंडा लगाएंगे। 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रम होंगे। यह अभियान



पशु चिकित्सालयों, स्वास्थ्य केंद्रों और पंचायत भवनों की सफाई। इसके अलावा सरकारी योजनाओं के 10 लाभार्थियों के घर जनसंपर्क और ग्रामीणों के साथ चौपाल में संवाद किया जाएगा। प्रदेश में जल संरचनाओं की सफाई के अभियान में सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे। वहीं, संगठनात्मक गतिविधियां भी होगी। जिसमें बूथ समितियों की बैठक ली जाएगी। विभिन्न समुदायों के नेताओं और मीसाबंदियों से संपर्क किया जाएगा। पार्टी का प्रचार करते हुए झंडा लगाया और जनजागरण यात्राएं भी निकाली जाएंगी।

सीएम का फर्जी लेटर लगाकर नेशनल पार्क में मांगी फी में जिप्सी, अब हिरासत में

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नाम फर्जी तरीके से उपयोग करने का मामला सामने आया है। गुजरात के युवक ने राजस्थान के रणथंभौर टाइगर रिजर्व में जिप्सी बुक करने के लिए सीएम का फर्जी सिफारिशी पत्र बनाकर लगाया था। राजस्थान वन विभाग की रिपोर्ट के आधार पर सवाई माधोपुर कोतवाली पुलिस ने अहमदाबाद के युवक श्रेय मेहता को पकड़ा है।

फी में जिप्सी सफारी करने की कोशिश

पुलिस के अनुसार, वन विभाग ने शिकायत दर्ज कराई कि गुजरात के अहमदाबाद का निवासी श्रेय मेहता अपने पांच दोस्तों के साथ रणथंभौर घूमने आया था। उसने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लेटरहेड का फर्जी इस्तेमाल कर जिप्सी बुक करने का प्रयास किया। प्रथम दृष्टया लेटर में मुख्यमंत्री के हस्ताक्षर भी फर्जी पाए गए। जब वन विभाग को मेल पर आए इस पत्र पर संदेह हुआ, तो अधिकारियों ने तुरंत लेटर की सत्यता की जांच कराई। जांच में यह पत्र फर्जी निकला। इसके बाद वन विभाग ने सवाई माधोपुर कोतवाली में मामला दर्ज कर दिया। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने सोमवार सुबह राजस्थान के रणथंभौर स्थित एक होटल से श्रेय मेहता को हिरासत में ले लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर पता लगा रही है कि उसके पास ये लेटरहेड कहा से आया। संबंधित थाना प्रभारी ने बताया कि वह इस मामले की हर सिर से जांच कर रहे हैं। इस घटना से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। आखिर कैसे मुख्यमंत्री के नाम से फर्जी लेटर बना कर जिप्सी बुक करने का प्रयास हुआ? पुलिस की जांच से और भी कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं।

सुविचार

अधूरी स्वाहिशों का कारवां होती है जिंदगी, मुककमल जहां तो सिर्फ़ किस्से कहानियों में होता है। - अज्ञात

लंदन में ममता बनर्जी का विरोध

बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी लंदन तो गई थीं, विदेशी पूंजी निवेश आकर्षित करने के लिए लेकिन वहां उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। हालांकि ममता बनर्जी ने अंग्रेजों की जी भरकर सराहना की थी। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि अंग्रेजों ने भारत पर सौ साल तक राज किया और अपनी राजधानी कोलकाता को बनाया था। बंगाल के लोग आज भी अंग्रेजों को याद करते हैं। विदेशी धरती पर जाकर उन्होंने न सिर्फ अंग्रेजों की चाटुकारिता की बल्कि भारत के खिलाफ भी बोलेने में संकोच नहीं किया। वहां जब उनसे यह कहा गया कि भारत इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। इससे आने वाले समय में भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इस बात का स्वागत करने की जगह ममता बनर्जी ने इस पर असहमित जता दी। इस तरह उन्होंने लंदन में भारत को नीचा दिखाने का काम किया और इसके बावजूद वे यह सोच रही थी कि इंग्लैंड के उद्योगपति बंगाल में पूंजी निवेश के लिए प्रोत्साहित होंगे। जाहिर है ममता बनर्जी की सरकार के कार्यकाल के दौरान बंगाल में उद्योगों की जो स्थिति है वह दुनिया से छिपी नहीं है। ममता बनर्जी के विरोध के चलते ही बंगाल से टाटा ने नैना बनाने की अपनी फैक्ट्री अन्यत्र स्थानारित कर दी थी। बंगाल में पूंजी निवेश के लिए कोई भी भारतीय उद्योगपति सामने नहीं आ रहा है। न तो वहां उद्योगों के अनुकूल माहौल है और न ही वहां की सरकार उद्योगों को सुरुआ देने में सक्षम है। इस तरह बंगाल में लगातार हिंसक घटनाएं होती रहती हैं। उसे देखते हुए कोई भी उद्योगपति वहां उद्योग लगाने की बात सपने में भी नहीं सोच सकता। एक जमाने में बंगाल में उद्योग धंधे फला-फूला करते थे किन्तु पार्टी की सरकार के तीन दशक के कार्यकाल में वहां के उद्योगों ने उस तोड़ दिया। इसके बाद ममता बनर्जी की सरकार ने भी बचे-खुचे उद्योगों का का कबाड़ा करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। जब वहां कोई भारतीय उद्योग पति पूंजी निवेश के लिए आगे नहीं आ रहा है तो ममता बनर्जी विदेश पूंजी निवेश के लिए इंग्लैंड दौड़ी चली गई लेकिन वहां भी उन्हें मायूसी हाथ लगी। आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जब उन्होंने अपने ही देश भारत की आलोचना शुरू कर दी तो वहां मौजूद भारतीय मूल के छात्रों ने उनका भारी विरोध करना शुरू कर दिया। हाथों में नरिखाल लेकर भारतीय मूल के छात्रों ने ममता बनर्जी को गो बैक के नारे लगाए। बड़ी मुश्किल से आयोजकों ने छात्रों को शांत करया तो छात्रों ने ममता बनर्जी पर सवालों की बौछार शुरू कर दी। छात्रों ने बंगाल में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा को लेकर सवाल दागे और कोलकाता के एक मंदिरकल कालेज में तेजी लेडी डॉक्टर की रेप के बाद की गई जघन्य हत्या का मामला उठाकर उनसे प्रश्न किया तो ममता बनर्जी की बोलती बंद हो गई। उन्होंने फिर भी हेकड़ी दिखाई और यह कहा कि इन सवालों का जवाब जानना है तो ये छात्र बंगाल आए। वे वहीं इसका जवाब देंगे। जाहिर है छात्रों के सवालों से विचलित ममता बनर्जी ने उन छात्रों को एक तरह से धमकी ही दी है। कुल मिलाकर ममता बनर्जी लंदन तो गई थी लेकिन बैरंग लौटीं। उनकी इस यात्रा से यह कहावत चरितार्थ हो गई कि चौबे जी चले थे छब्बे जी बनने लेकिन दुबे जी बनकर लौटे।

पीएम मोदी की छत्तीसगढ़ को सौगात

नवरात्रि के पहले दिन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मां महामाया की नगरी बिलासपुर के मोहभट्टा में छत्तीसगढ़ को 33 हजार सात सौ करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 25 साल बाद जब छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना का स्वर्ण जयंती समारोह मनाएगा तब वह देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की सूची में शामिल हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पीठ स्पथकाते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेजी से विकास पथ पर अग्रसर हो रहा है और भाजपा ने जो चुनावी वादे किए थे उसे अमली जामा पहनाया जा रहा है। इस अवसर पर पीएम मोदी ने 2800 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण किया और 15 हजार करोड़ की भी ज्यादा के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। निश्चित रूप से पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ को एक बड़ी सौगत दी है जिसका आने वाले समय में सुपरिणाम देखने को मिलेगा। पीएम मोदी ने केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ को और तेजी से प्रति आभार व्यक्त किया और बढ़ावा देगी। इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा पीएम मोदी ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने विकास का मार्ग अवरूद्ध कर दिया था और सिर्फ भ्रष्टाचार ही किया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया और यह भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार मोदी जी की गारंटी को पूरा करने के लिए संकल्पित है। सीएम साय ने भी कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंका है। लोकसभा, विधानसभा और इसके बाद नए नियुक्त निकायों के अलावा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी प्रदेश की जनता ने भाजपा को अपना भरपूर समर्थन दिया है। उनकी सरकार प्रदेश की जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो सपना देखा है उसे साकार करने में छत्तीसगढ़ राज्य अपना अमूल्य योगदान देने के लिए दृढ़कृत है। छत्तीसगढ़ बहुत जल्द देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो इसके लिए उनकी सरकार अपनी ओर से कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ीगी।

प्रेरक प्रसंग - समस्याओं का समाधा खोजे

गाँव में एक बच्चा था जिसका नाम रघु था। रघु का सपना था कि वह एक बड़ा वैज्ञानिक बने और दुनिया को कुछ अनोखा दिखाए। लेकिन उसके आस-पास के लोग उसे अक्सर कहते, तुम्हारे जैसे गाँवी बच्चे बड़े सपने नहीं देख सकते। सपने देखना छोड़ दो और जो करना है, वो करो। रघु ने सबकी बात सुनी, लेकिन अपने दिमा की आवाज को नहीं दबाया। उसने तान लिया कि वह अपना सपना पूरा करेगा, चाहे कोई भी बाधा क्यों न आए। उसने दिन-रात मेहनत की, स्कूल के बाद टैट रात तक पढ़ाई की, और धीरे-धीरे अपनी पढ़ाई में अवाल आने लगा। उसने छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान खोजने का प्रयास किया और हर छोटी उपलब्धि के साथ खुद को प्रोत्साहित किया। कई साल बाद, रघु का नाम एक बड़ी वैज्ञानिक प्रतियोगिता में आया और उसने अपनी मेहनत के बल्लूवो वह प्रतियोगिता जीत ली।

आज का पंचांग

	बुध-14				
बृह 9	सूर्य-शुक्र-शनि	13-15	8		
15	राहु	4	घनू-केतु	6	
14	मंगल	3	5		
सूर्योदय: 06:23, सूर्यास्त: 06:40, चन्द्रोदय:07:05, चन्द्रास्त: 21:00, अयन-उत्तरायणे (उत्तरगोलीय), ऋतु: वसंत, शक सम्वत: 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत: 2082 (सिद्धार्थी), मास-चैत्र, पक्ष-शुक्ल, तिथि- चतुर्थी, नक्षत्र -भरणी, योग -विजृम्भ, प्रथम करण -कौलव, 09:11 तक) द्वितीय करण -तैत्तिल (19:24 तक)।					

॥ गौचर ग्रहाः ॥

सूर्य- मीन, चंद्र -मेष, मंगल- मिथुन (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध-मीन (अस्त, पश्चिम , वक्री) गुरु- वृष (अस्त, पश्चिम, मार्गी), शूक्र- मीन (अस्त, पश्चिम, वक्री), शनि-मीन (अस्त, पश्चिम, मार्गी), राहु-मीन, केतु- कन्या।

शुभ यात्रा दिशा

उत्तर-पूर्व (दर्पण देखकर अथवा खीर का सेवन कर यात्रा करें)

आज जन्मे शिशुओं का नामकरण

आज जन्मे शिशुओं का नाम भरणी नक्षत्र के प्रथम, द्वितीय , तृतीय एवं चतुर्थ चरण अनुसार क्रमशः (ली, लू, ले,ला) नामाक्षर से रखना शास्त्र सम्मत है।



उमेश वतुर्वेदी (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं)

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना ख़ाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जाई जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। राह भी वजह है कि एटलिन टैट और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहा है। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिय रही है। इस पिय पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिय तो वहीं अपराध है, लेकिन उसके मुद्दे अलहाद हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोंप की इस जंग में फ़िहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोंप बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता) । 1 अप्रैल को ओडिशा दिवस मनाया जाता है। इस दिन साल 1936 में ओडिशा को बिहार और संयुक्त प्रांत से अलग करके एक स्वतंत्र राज्य बनाया गया था। साथ ही, इस दिन भारतीय रिजर्व बैंक ने अपना परिचालन शुरू किया था। 1 अप्रैल को ही दिल्ली को देश की राजधानी बनाया गया था। 1 अप्रैल से जुड़े कुछ और इतिहास: 1 अप्रैल 1935 को भारतीय रिजर्व बैंक ने अपना परिचालन शुरू किया था। 1 अप्रैल 1936 को भारत के राज्य बिहार और उड़ीसा की सीमाएं तय की गई थीं। 1 अप्रैल को ही दिल्ली को देश की राजधानी बनाया गया था। 1 अप्रैल को ‘अप्रैल फूल डे’ मनाया जाता है। कई इतिहासकारों का मानना ​​है कि 1582 में इसकी शुरुआत हुई थी। फ्रांस में, अप्रैल फूल डे को ‘प्वाइसन डी एवरलिव’ के रूप में जाना जाता है। स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल्स डे दो दिनों तक चलता है। ब्राजील में, पुर्तगाली प्रभाव के काइरण डिशा दा मेंटेरा (झूठ का दिन) भी 1 अप्रैल को मनाया जाता है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध का सच

तमिलनाडु के बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक के इस्तेमाल पर हंगामा स्वाभाविक है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति की सोच राष्ट्रीय सहमति से अलग रही है। लिट्टे के खिलाफ जहां देशव्यापी गुस्सा रहा, वहीं डीएमके की राजनीति उसके प्रति राग से भरी रही। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है। सबसे पहले आजा के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहले मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भाविय के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करने की कोशिश भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के उद्देशित करने वाले हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के लिए बेहतर खाद रहे हैं, इसलिए एक बार फिर स्टालिन को इनसे उम्मीद नजर आ रही है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगवावाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की इत्त नही है। संविधानसभा की बहस के दौरान बज्जे के ऐसे कदमों की आशका जताई गई थी। इसी वजह से मजबूत केंद्र की अवधारणा की मांग स्वीकार की गई। इसके बावजूद आए दिन कुछ न कुछ राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रखू और राह अख्तियार करने की कोशिश करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में वह पश्चिम बंगाल भी जुड़ गया है, जहां से राष्ट्रवाद की विचारधारा को बल मिला था। तमिलनाडु तो खैर अरसे से ही कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करता रहा है। ऐसा करते खाद तमिल राजनीति इस तथ्य की अन्देखी करती रही है कि संविधान और राष्ट्र की प्राचीन अवधारणा के लिहाज से तमिल धरती पूरी तरह भारतीय है। हिंदी विरोध की सोच तमिलनाडु में 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के

साथ ही शुरू हुई। तब भी यह विचार, राष्ट्रीय युगबोध से अलग था। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत के तीखे विरोध



तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत को लेकर कांग्रेसी बौद्धिकों ने नैरेटिव गढ़ा था। जिसके हिसाब से गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव ने एक तरह से उत्तर और दक्षिण के विभाजन की रेखा को खींचने की कोशिश की। इसी का विस्तार लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में भी दिख सकता है।

राष्ट्रीय सहमति और सोच से उलट सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर ने सरकार ने तब करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजह से बर्खास्त कर दिया था। कांग्रेस करीब दो दशक से डीएमके की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके को ऐसी ही सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फितहाल पूरी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूँरर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं।

पाठकों की बात

आया संवंत विक्रमी, लेकर खुशी

आया संवंत विक्रमी, लेकर खुशी अपार। गेह-गेह में सज गए, माता के दरबार। माता के दरबार, भक्त सभ करते पूजा। माँन रहे उत्कर्ष, सभी वर और न दूजा। देख दिव्य माँ रूप, मोद से मन हराया। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा,वर्ष नव अपना आया।।

डॉ बिपिन पाण्डेय

पीले हुए हैं आज ये मौसम बहार

पीले हुए हैं आज ये मौसम बहार के, रक्खा गुलों ने जैसे हो लाली उतारके। अटकी है हिचकियां जो मेरी ज़िन्दगी में अब, लगता है ये अद है सनम तेरे चार के। दुनिया में सिर्फ़ एक इश्क का ही तो गम नहीं, दुख हैं बहुत से और भी निगाहों के यार के! चाहे जपान, रसिया, या फिर जाएं मैक्सिको, कहते हैं शान से हम हैं बेटी बिहार के। **रूबी झा ‘कमल’**

QUIZ TIME

1) किस पौधे की पत्तियों को पर्यावरण के अनुकूल घाव की ड्रेसिंग में पुनर्निर्मित किया गया है?

2) गणतंत्र दिवस समारोह 2024 में किस अंतरिक्ष मिशन को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था?

3) लेटानिला वोल्डेमॉर्ट किसकी नई

प्रजाति है?

4) बृहस्पति के किस चन्द्रमा पर ओजोन का प्रमाण पाया गया है?

5) किस विश्वविद्यालय ने मानव डीएनए बैंक और वन्यजीव डीएनए बैंक की पहल की है?



Ramaquiz

ചോദ്യങ്ങൾക്കു മേലു മറുപടി (5) മുമ്പുകൂ

(൪) മുമ്പുകൂ മുമ്പുകൂ (൩) മുമ്പുകൂ (൨) മുമ്പുകൂ (1) മുമ്പുകൂ

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य वासुदेवविश्वेश्वर शंकर देववत गुरुजी

वृषः आज आप किसी के बहकावे अथवा प्रलोभन में ना आये सदैवदलीलात अधिक रहने से आँख बंद करके किसी भी कार्य के लिए सहमति ना दें।

मिथुन: आज के दिन आप लाभ-खनि की परवाह नहीं करेंगे। सामाजिक एवं पारिवारिक क्षेत्र पर आज आप भाग्यशाली माने जाएंगे।

कर्कः आज आपको सरकारी कार्यों से आकर्षितक लाभ होगा। पिता से संबंध बेहतर होने का लाभ मिलेगा।

सिंह: आज आप पिछले कुछ दिनों की अपेक्षा बेहतर स्वास्थ्य अनुभव करेंगे। बड़े लोगों से व्यवहारिक ज्ञान मिलेगा। **कन्या:**आपका आज का दिन शारीरिक रूप से अशुभ रहेगा। प्रातः काल से ही आँख में जलन अथवा अंजों में दर्द रहने से निश्चितता रहेगी। **तुला:** आपका आज का दिन सामान्य से अधिक शुभ पहा देने वाला रहेगा। सामाजिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सुअवसर मिलेगा।

वृश्चिक: आज के दिन सेहत में थोड़ी गिरावट रह सकती है। परंतु बाकि सब कार्य एवं व्यवहार यथावत चलते रहेंगे। **धनुः** आपको आज का दिन मिश्रित फल देगा। दिन के पूर्वार्ध में पूर्व में

बनाई योजनाये सही दिशा में आगे बढ़ेगी परन्तु कुछ समय बाद किसी के विरोध अथवा अन्य कारणों से इनमे बदलाव करना पड़ेगा। **मकरः** आपका आज का दिन भी थोड़ा उतार चढ़ाव वाला रहेगा। संबंधों में चाह कर भी मधुरता नहीं रख पाएंगे। **कुंभ:**आज के दिन खर्च विशेष रहेगे लेकिन धन लाभ के अवसर भी मिलने से तालमेल बना रहेगा। कार्य क्षेत्र के साथ साथ घरेलु कार्य अधिक रहने से व्यस्तता बढ़ेगी। **मीन:** आज आपके कार्यों में लचरता रहेगी। किसी भी निर्णय पर ज्यादा टेर नहीं टिकेगे। आप अपने ही गैरजिम्मेदार व्यवहार के कारण कष्ट उठाएंगे।

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

दरमियां रहे कुछ तो वादों

दरमियां रहे कुछ तो वादों का भरम जरा इश्क के नाम जफ़्फ़ करते हैं। दिल लगता नहीं इंसानों की बस्ती में चलो बियाबान में सफ़र करते हैं जाने कहां खो गई स्मित होखें की आज हँसी अपनी नज़र करते हैं। मुद्दतों बाद भी न बदला कोई चलन कुछ बात हटकर किधर करते हैं। जल्वा गाह ए जानाँ जो बदल जाए खुशबू जिधर ही रुख उभर करते हैं। उसकी महफ़िल में जब भीड़ बहुत है किसका फिर इंतज़ार ठहर करते हैं। **सपना चन्दा**

चल बंजारे चल बंजारे शाम हो गई

चल बंजारे! चल बंजारे! शाम हो गई, तो चल पाना मुश्किल होगा! धूप दाह दे, मगर कभी भी किया न तुमको यहाँ पराया। झूठी कसमें, झूठे वादे, कब सूरज देकर भरमाया? चाँद हुआ साकार, नयन का भार उठाना मुश्किल होगा! मत सोचो मौसम का किताब हिस्सा तेरे हिस्से आया? मत सोचो जीवन का किताब किस्सा तेरे हिस्से आया? हुई कहानी मनमानी तो सार सुनाना मुश्किल होगा! कितने गर्द-गुबारों वाली राह मिली है और मिलेगी, लेकिन पाँव दबाती धूलें उड़ती लापरवाह मिलेगी। राजपथों पर घाम मिली तो पाँव बचाना मुश्किल होगा।

पंकज कुमार बंसत

आई जो विपदा बड़ी पहनी राम

आई जो विपदा बड़ी पहनी राम नाम की घड़ी । आई जो फ़िस्म रिलीज़ की घड़ी याद आई राम नाम की घड़ी। बरसे रामभकों पर पत्थर / छड़ी तब कहां थी राम नाम की घड़ी। जुड़ी रहती है कड़ी से कड़ी मन सच्चा हो तो पहनो राम नाम की घड़ी। **राजीव वर्मा**



तालाब एक ही है, उसी तालाब

तालाब एक ही है, उसी तालाब मे हंस मोती चुनता है और बगुला मछली, सोच सोच का फर्क होता है आपकी सोच ही आपको बड़ा बनाती है, यह हम गुलाब की तरह खिलना चाहते है तो काँटों के साथ तालमेल की कला सीखनी होगी। **अरूणा राव**

बंद करो मुझे पूजना देवी सा

बंद करो मुझे पूजना देवी सा खिलाना नीरातों मे पाँव पूजकर और कर देना विदा हमेशा के लिए फिर न लेना कोई खबर हाँ ये सब आडम्बर ही तो हैं कहते हो..अर्धांगिनी और लेने न देते हो एक भी निर्णय यहाँ तक की मेरी कोख मे पल रहे बच्चे का निर्णय भी तुम लेते हो कहीं हूँ मैं देवी और कैसी देवी जिसका करते हो हरपल ही अपमान कभी गालियों मे खींचते हो कभी गलियों मे चलना दुभर करते हो। बताओ फिर इस आडंबर का क्या है मतलब एक ओर देवी बनाकर पूजना और देना सम्मान अगले ही पल गाली मे घसीटकर कर देना अपमान बंद करो मुझे पूजना देवी सा खिलाना नीरातों मे पाँव पूजकर। **सीमा राय**

नवरते हैं मेरे घर आ माँ घर आना

नवरते हैं मेरे घर आ माँ घर आना मेरे घर आ माँ चढ कर सिंघ सवारी आ अब ना मैया देर लगा। दयामयी तू सृष्टि का रे आधार तीनों भवन में तेरी जय जय कार करती मैया सबका बेछा पर दुखी हूँ मैं तुने मुझको दिया बिसार। क्यों तू मुझसे रूडी है माँ मेरी ममता ना झूठी है माँ। नवरते हैं मेरे घर आ माँ घर आना मेरे घर आ माँ चढ कर सिंघ सवारी आ अब ना मैया देर लगा। सभी खेही मित्रों को हिंदू नववर्ष एवं नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं। माता रानी सबका कल्याण करें यही मंगलकामना।

सतीश मैथिल तनुज

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य -004

(भागवत साह)

बाएँ से दाएँ	उपरिस्थत होना, उहरना 18. जिरो लात खाने की आदत हो गई हो	काग, शिक्षा 10. फिरगत, नराीय, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाला, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उठने या होने लास ढकने का कपड़ा 13. पिता, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव वाला, बिलकुल कार्पयनिक और क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, निर्गुल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, वायु, पवन 16. निवास करारा, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का वरस, एक इमारती वृक्ष।
ऊपर से नीचे	1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, 1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, सुशुबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव वाला, बिलकुल कार्पयनिक और क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, निर्गुल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, वायु, पवन 16. निवास करारा, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का वरस, एक इमारती वृक्ष।	

1	2			3	
4		5		6	7
	8			9	
10					
11				12	
			13		14
16	17				
			18		
			19		20
21				22	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 003का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा	सु	हा	ना			ली	द	
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
			क	मा	न	ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त	म	ज	बू	र		ट	
	न	म	स्का	र				र
	यां			बी		ना	का	
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

पैराडाइज सीबीएसई स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

विद्यार्थी शारीरिक व बौद्धिक-नैतिक उत्कृष्टता के लिए हुए पुरस्कृत

कांकेर । पैराडाइज स्कूल हायर सेकेण्डरी सीबीएसई स्कूल में कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं एवं नवमीं, ग्यारहवीं तक की छात्र-छात्राओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमें सभी कक्षाओं का शत-प्रतिशत परिणाम रहा। इस वार्षिक परीक्षा की परीणाम में सैकड़ों पालको ने भाग लेकर अपने बच्चो के वार्षिक परिणाम से संतुष्ट एवं प्रसन्न रहें। वार्षिक रिपोर्ट कार्ड एवं छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के

लिए परामर्श किया। साथ ही कक्षा में जो प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही जो छात्र एवं छात्राएं कक्षा में गुड हेड राइटिंग, क्लोन यूनिफार्म एवं कक्षा में हाईएस्ट अटेंडेंस में आने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया, जिससे बच्चों को आगे और उत्सहपूर्वक अपने अध्ययन के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हों सके।

इस अवसर पर शिक्षाविद पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री टीआर साहू ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों को मार्गदर्शन पैराडाइज स्कूल बच्चो को बहुमूल्य राबों के समान समझता है। जिसके गुणों का सम्पूर्ण विकास,



शिक्षण एवं प्रशिक्षण द्वारा हो सकता है। पैराडाइज स्कूल में पाठ्यक्रम के अध्ययन अध्यापन के अलावा किसी बच्चों में अंतर्निहित कला कौशल एवं खेलकूद की प्रतिभा को विकसित किया जाता है, बौद्धिक एवं नेतृत्व प्रतिभा के विकास के लिये हमेशा अपने विषय में पारंगत शिक्षकों द्वारा ही बच्चों को प्रशिक्षण प्रदान किया

जाता है जिससे विद्यार्थियों को अपने अध्ययन अध्यापन से अपनी प्रतिभा को निखारने का सम्पूर्ण अवसर प्राप्त हो रहा है।इस वार्षिक परीक्षा घोषित समारोह मे

पालको को शिक्षक द्वारा उनके बच्चों के विकास के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये पालको द्वारा भी अपने बच्चो के विकास एवं उनके व्यक्तित्व निर्माण के

लिये शिक्षको से परामर्श किया गया। पालक अपने बच्चो को पैराडाइज हायर सेकेण्डरी सीबीएसई स्कूल में अध्यापन करकार उनके व्यक्तित्व को उत्कृष्ट बनाना चाहते है।

कार्यक्रम को संपन्न कराने में प्राचार्य रश्मि रजक, उप प्राचार्य हरिन्द्र गोल्गुरी, एडमिनिस्ट्रेटर हमीद खान, कोऑर्डिनेटर पूनम जीत कौर वरिष्ठ शिक्षक प्रीति झा, पवित्र बराई, रूबी खान, दीपांजली गोगोई, वर्षा रामानी, मेघा सेना, शबाना परवीन, एस.मर्सी, तीर्थ साहू, अवतार सिंह, कृष्णापद कुंभकार, भारती सेंडिया, प्रतीक सिंह, संगीता भारती, जीतूदास माण्डले, सरिता मिश्रा, सुचिस्मिता खान, इतिश्री गोल्गुरी, अनिल

कुमार ढाके, उज्जवल निर्मलकर, रिया सोनी, शांतिलीना नेताम, शिखा मेहरा, रचना शर्मा, लक्ष्मीनारायण नामदेव, तुलसी निषाद, अपूर्वा ठाकुर, रामेश्वरी साहू, सुकदेव सरकार, पार्वती गजबल्ला, रूमा मजूमदार, सलमा खान, पेंकटेष पटेल, रिकी सेठी, शिल्पी पालित, कमलप्रीत कौर, देवश्री साहू, सपना पांडे, अभिनव सिंह, यमुना बिलोथिया, निशा जायसवाल, तारा चंदेल आदि सभी शिक्षकों का अथक परिश्रम एवं अध्ययन अध्यापन द्वारा सफलतापूर्वक पैराडाइज स्कूल बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षण प्रदान कर रहा है।

न्यूज गैलरी

प्रेशर बम से महिला की मौत

बीजापुर/नवप्रदेश। महुआ बीनने गयी महिला प्रेशर बम की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गयी, जिसे उपचार के लिए उस्फू अस्पताल ले जाया गया जहाँ डॉक्टरों ने महिला कोमृत घोषित कर दिया।पुसिल के अनुसार जिले के उस्फू थानाक्षेत्र अंतर्गत सोढी पारा निवासी महिला सुशीला सोढी महुआ बीनने गयी थी, सोढी पारा से लगे बोताम्पका की पहाड़ी में कल शाम प्रेशर बम की चपेट में आने से महिला घायल हो गयी थी, जब इलाज के ले अस्पताल लाया गया जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण करने वाले कपल का सुनहरे कदम ने किया सम्मान



कांकेर । स्थानीय सिंधु समाज के महिला विंग सुनहरे कदम द्वारा एक अभिनव कदम उठाते हुए समाज के उन दंपतियों का सम्मान किया गया जिनके वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण हुए हैं और वे सफल जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इस समारोह में 29मार्च को शाम 8 बजे आरती,तत्पश्चात सम्मान समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम रात 1 बजे तक चलता रहा। सुनहरे कदम की अध्यक्ष सुनीता मोटवानी के अनुसार निर्मांकित जोड़ों का सम्मान वैवाहिक स्वर्ण जयंती के रूप में किया गया तथा विवाह की तरह पूत मालाओं से सम्मान किया गया। मेघराज लीला मंगलानी, मनोहर सरला मंगलानी, रमेशदास जस्सी हिरदानी, कल्याण दास कमला नागवानी, प्रताप राय रेखा गिड्डुलानी, शिवराज कौशलया मोटवानी, ध्यानचंद पुनम केवल रामानी, आयलदास सरस्वती लच्छानी, दैलत राम रेखा फन्यानी, श्याम कामिनी लालवानी, लक्ष्मीचंद रीता लालवानी, गुलाबचंद पुष्पा केशवानी, लक्ष्मीचंद सरला फन्यानी, विशानदास आशा असरानी, गोपालदास पुष्पा वर्क्यणी, जगदीश सुशीला फन्यानी, आनंदराम कविता लोहानी, राम सुलोचना माखीजा, सच्चा नंद मीरा माखीजा, राजाराम ध्यानी मोटवानी, सामाजिक सम्मान पूज्य टीकागे कविता ठाकुर लखन महाराज,सम्मान बुजुर्गों का सतराम दास पंजाबी, धर्मदास सबनानी जी, नारायणदास केवल रामानी, गागनदास मोटवानी, नारायण दास बुधवारानी, नानक असरानी, चंद्रबाल जसनानी , विशेष सम्मान नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक, मांझा पारा पार्षद, हितेंद्र खटवानी जन सहयोग समाज सेवी संस्था अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उपर्युक्त सम्मान समारोह के लिए सुनहरे कदम महिला विंग की सात शहर में प्रशंसा की जा रही है। विशेषकर वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण करने वाले बुजुर्गों के अभिनंदन के लिए आम जनता द्वारा बहुत-बहुत बधाइयां प्रेषित की जा रही हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि सुनहरे कदम के कार्यक्रम से प्रभावित होकर वरिष्ठ नागरिक राजकुमार फन्यानी ने 15,000/- सहयोग राशि तथा श्री कल्याण दास नागवानी ने 10,000/- सहयोग राशि सुधरे कदम संस्था को संप्रेम भेंट की है, जिसके लिए संस्था की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मोटवानी ने दोनों सज्जनों को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन किया है।

प्रथम पेज का शेष

देशगमर ने ईद की...

और वीरों के प्रति दया दिखाकर इस त्यौहार को मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कल 'पैगंबर मोहम्मद ने विलासितापूर्ण जीवन जीने से परहेज किया और प्रेम एवं अनुशासन के साथ सादा जीवन व्यतीत किया। उन्होंने जफूरतमंदों को भोजन कराते और भाईपारे को अचानक का मार्ग दिखाया। पलानीयमानी ने आपने शुभकामना सटैथ ने मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए पार्टी द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को रेखांकित किया और आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी सदैव मुस्लिम समुदाय की रक्षक रहेगी।

संसद में वक्फ बिल...

महिलाओं के हित में है। इससे वक्फबोर्ड के तहत संपत्तियों के प्रबंधन में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

केरल के सांसदों से समर्थन की अपील, रिजिजू ने किया स्वागत

इससे पहले आज ही केरल के कैथोलिक बिशपस काउंसिल (केसीबीसी) ने राज्य के सांसदों से केंद्र सरकार को विधेयक का समर्थन करने की अपील की। इस पत्र को अपने आधिकारिक एक्स हैडल पर साझा करते हुए रिजिजू ने कहा, खुद अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य होने के नाते वे इस

ग्रामीण परिवारों का चैत्र नवरात्रि पर पक्के मकान का सपना हुआ साकार

जगदलपुर/नवप्रदेश। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राही परिवारों को रविवार को चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर पक्के आवास की सौगात मिलने पर इन हितग्राहियों में अपार खुशी दिखाई दी। इस मौके पर जिले के सातों विकासखण्डों के 9839 हितग्राहियों का उनके नए आवासों में गृह प्रवेश करवाने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हितग्राहियों द्वारा विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर गृह प्रवेश किया गया और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के मैदानी अमलों ने हितग्राहियों को पुष्प गुच्छ भेंटकर बधाई दी। इस दौरान हितग्राहियों ने स्वयं का पक्का घर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा अब खुद के पक्के घर में रहने से सुकून मिलेगी। बस्तर ब्लॉक के बाकेल निवासी बुजुर्ग महिला सयती बघेल ने कहा अब बारिश के दिनों में ज्यादा सहूलियत



होगी और पानी टपकने की चिंता से मुक्ति मिलेगी। ज्ञात हो कि रविवार को जिले के सातों विकासखण्डों बकावंड ब्लॉक में 3684, बास्तानार में 475, बस्तर में 2392, दरभा ब्लॉक में 436, जगदलपुर ब्लॉक में 1571, लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक में 1087 और तोकापाल में 194 हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत नवनिर्मित पक्के आवासों में गृह प्रवेश किया। इस दौरान सम्बन्धित गांवों में खुशी का अलग ही माहौल दिखाई दी।

नगर की सुख समृद्धि व खुशहाली हेतु देवरस्थान श्री राघव मंदिर में ज्योति कलश की स्थापना

किरंदुल/नवप्रदेश। सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया की मंगल कामनाओं सहित बैलाडीला देवस्थान समिति श्री राघव मन्दिर के द्वारा चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 के सुअवसर पर शुभ मुहूर्त में घटस्थापना की गई। लौहनगरी किरन्दुल के आस्था के प्रमुख केंद्र श्री राघव मंदिर में प्रति वर्ष की भाँति इस नवरात्रि पर्व में श्रद्धालुओं द्वारा 211 ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किये गए हैं। संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों,श्री राघव मन्दिर के प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ल द्वारा



विधिविधान से घट स्थापना की गई।

भ्रमण पश्चात बच्चों को ब्रेकफॉस्ट करवा कर कलेक्टर ने किया बस से रवाना

नारायणपुर/नवप्रदेश। जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के भूमकाल छात्रावास रेकावाया के बच्चों को कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में दो दिवसीय भ्रमण कराया गया। इन बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए शैक्षणिक भ्रमण कराया गया इसका मुख्य उद्देश्य जिला प्रशासन द्वारा इस छात्रावास में अध्यनरत बच्चों को बाहरी दुनिया से परिचित कराने का मकसद था। ताकि वह मुख्य धारा से जुड़कर आगे का अध्यापन कार्य अच्छे से कर सके साथ ही जिला प्रशासन द्वारा इन सभी बच्चों के अध्यापन के लिए डुंगा एवं रेकावाया में शिक्षा हेतु सुविधा उपलब्ध कई जा रही है। कलेक्टर ने रेकावाया आश्रम के बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण से वापस जिला मुख्यालय पहुंचने पर उन्हें बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आगे की पढ़ाई बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने ब्रेकफ़स्ट के दौरान



बच्चों से मुखातिब होते हुए भ्रमण के दौरान दिखाए गए स्थलों की जानकारी लेते हुए, बेहतर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों ने आगे की पढ़ाई करने के लिए बताते हुए कहा कि शिक्षा पूरी करने के पश्चात शिक्षक बनने की अपनी जिज्ञासा बताई। कलेक्टर ने भ्रमण से वापस सभी बच्चों को कलेक्ट्रेट परिसर का सभी बच्चों को अवलोकन कराते हुए समान्य जानकारी देते हुए परिचात्मक जानकारी दी गई। सभी कक्ष में सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए गांव के विकास में सहभागिता बनने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ

नए आशियानों में सजी खुशियों की रंगोली, नई जिंदगी की शुरुआत

डू चैत्र प्रतिपदा पर जिले के 14526 परिवारों ने किया सामूहिक गृह प्रवेश

बलरामपुर / नवप्रदेश। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत छत्तीसगढ़ में 3 लाख से अधिक नवनिर्मित पक्के आवासों का सामूहिक गृह प्रवेश चैत्र प्रतिपदा (हिंदू नववर्ष) के शुभ अवसर पर संपन्न हुआ। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम बिलासपुर में आयोजित हुआ, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्युअल माध्यम से जुड़कर हितग्राहियों को गृह प्रवेश की सौगात दी। इस ऐतिहासिक अवसर पर बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 14,526 परिवारों ने अपने नए आशियाने में प्रवेश किया। ग्राम पंचायत जतरो (विकासखंड बलरामपुर) में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में



जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा चेरेवा, उपाध्यक्ष बबली देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में श्रीमती राजेश्वरी देवी के नवनिर्मित आवास में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर लाभार्थियों को 'आभार पत्र' एवं 'खुशियों की चाबी' तथा स्मृती चिन्ह के रूप में घड़ी भी भेंट की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने सभी हितग्राहियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिलासपुर से 3 लाख परिवारों का सामूहिक गृह प्रवेश कराया जाना राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को पक्के घर का सपना साकार होते देखना बेहद हर्ष का विषय है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में

14,526 परिवारों ने आज अपने नए घरों में प्रवेश किया, जो उनके जीवन में स्थायित्व और सुरक्षा लेकर आएगा। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत 41,473 आवासों के निर्माण के लिए प्रथम किस्त जारी कर दी गई है। साथ ही, नक्सल प्रभावित एवं आत्मसमर्पित परिवारों को भी योजना का लाभ प्रदान किया गया है। सीईओ ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित परिवारों के लिए पुनः सर्वेक्षण जारी है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद परिवारों को इस योजना की जानकारी दें और उनका पंजीकरण सुनिश्चित कराएं, ताकि हर पात्र परिवार को पक्का आवास मिल सके। नए आशियाने में खुशियों की

सरकार ने एक बार भी नीतियों के कार्यान्वयन को लेकर राज्य सरकारों से परामर्श करना उचित नहीं समझा। सोनिया गांधी ने लेख में दावा किया कि सरकार अपनी आवाज के अलावा किसी अन्य की आवाज पर ध्यान नहीं देती। यहां तक कि उस विषय पर भी नहीं जो भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में है। संवाद की कमी के साथ-साथ धमकाने की प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। समग्र शिक्षा अभियान (एएएएसए) के तहत मिलने वाले अनुदान को रोककर राज्य सरकारों को मॉडल स्कूलों की पीएम-एसएफआरआई (या पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना को लागू करने के लिए मजबूर करना, यह सरकार द्वारा किए गए सबसे शर्मनाक कामों में से एक है।

उपासना स्थल कानून पर आज...

यह किसी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बदलने की कार्यवाही के साथ-साथ इस पर नए सिरे से मंगल की दावेदारी करने पर रोक लगाती है।

विश्व के प्राचीन ज्ञान का बोध

राज्यपाल श्री पटेल ने आह्वान किया कि वैदिक ज्ञान के उपयोग, महत्व और संभावनाओं विस्तारित करने के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि कभी यह न सोते कि आप अकेले हैं, आप सभी संसार में ज्ञान के बल पर परिवर्तन ला सकते हैं। आज की पीढ़ी को

संस्कृत और परंपराओं के ज्ञान की आवश्यकता है। अच्छे संस्कारों के अंकुरण से ही संस्कृति का रक्षण संभव है। संस्कृत शास्त्रों में करुणा संवेदन का रक्षण हमारी सरकार ने पहला दृढ़दृश महेश्वर में मनाया और केबिनेट की बैठक भी महेश्वर में आयोजित की है। प्रदेश की सरसज्ज चाहिनी क्रमांक 01 को अहिल्या माता का नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महेश्वर में देवी अहिल्या की जीवनगाथा पर नाटक मंचन के लिए विश्व मांगल्य सभा की सहजना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिथियों के साथ सम्पूर्ण नाटक का मंचन देखा। राष्ट्रीय स्वरोसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 जन्म जयंती के अवसर पर महेश्वर में नाटक का मंचन किया जा रहा है। यह नाटक अहिल्याबाई के कार्यों से आमजन को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देगा। देवी अहिल्या ने मदिरो में अनवरत साधनारत, अख्य केन्द्रीय सनौत नाटक अकादमी नई दिल्ली डॉ. संध्या पुरेचा को महामहोपाध्याय (डी.लिट.) की मानद उपाधि से विभूषित किया। राज्यपाल श्री पटेल ने महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय को ए-प्लस ग्रेड मिलने की शुभकामनाएं दी।

लोकमाता अहिल्या बाई के

मदद की और न्याय एवं सुशासन के अनेकों

कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इतिहास माता अहिल्या के विविध पक्षों से भरा हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता अहिल्या बाई के कार्यों से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने पहला दृढ़दृश महेश्वर में मनाया और केबिनेट की बैठक भी महेश्वर में आयोजित की है। प्रदेश की सरसज्ज चाहिनी क्रमांक 01 को अहिल्या माता का नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महेश्वर में देवी अहिल्या की जीवनगाथा पर नाटक मंचन के लिए विश्व मांगल्य सभा की सहजना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिथियों के साथ सम्पूर्ण नाटक का मंचन देखा। राष्ट्रीय स्वरोसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 जन्म जयंती के अवसर पर महेश्वर में नाटक का मंचन किया जा रहा है। यह नाटक अहिल्याबाई के कार्यों से आमजन को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देगा। देवी अहिल्या ने मदिरो में अनवरत साधनारत, अख्य केन्द्रीय सनौत नाटक अकादमी नई दिल्ली डॉ. संध्या पुरेचा को महामहोपाध्याय (डी.लिट.) की मानद उपाधि से विभूषित किया। राज्यपाल श्री पटेल ने महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय को ए-प्लस ग्रेड मिलने की शुभकामनाएं दी।



न्यूज गैलरी

12.75 लाख तक कमाई करमुक्त
आज से लागू होगी नई कर व्यवस्था



दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण आयकर संशोधन किए गए हैं। एक अप्रैल से नई कर व्यवस्था लागू होने के बाद करदाताओं को दिमागी कसरत से राहत मिलेगी और टैक्स प्लानिंग भी पहले से आसान हो जाएगी। नई कर व्यवस्था में नए स्लैब के तहत 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। वेतनभोगी करदाताओं के लिए यह सीमा 75,000 रुपये के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ 12.75 लाख रुपये तक हो जाएगी। 12 लाख रुपये की सीमा के ऊपर की आय पर टैक्स का भुगतान करना होगा। सरकार ने नई कर व्यवस्था में आयकर कानून की धारा-8ए के तहत छूट की सीमा को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 60,000 रुपये कर दिया है। यह छूट सुनिश्चित करती है कि सालाना 12 लाख रुपये तक की कमाई पर करदाता के ऊपर कोई? टैक्स देनदारी नहीं बनेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण के मुताबिक, नई संशोधित कर व्यवस्था में सालाना 12 लाख कमाने वाले करदाताओं को टैक्स में 80,000 रुपये का फायदा होगा। सालाना 16 लाख रुपये कमाने वाले करदाता को 50,000 रुपये और 18 लाख रुपये की कमाई करने वाले व्यक्ति को कर के मोर्चे पर 70,000 रुपये का फायदा होगा। 20 लाख रुपये की आय पर 90,000 रुपये, 25 लाख की कमाई पर 1.10 लाख रुपये और 50 लाख रुपये की सालाना आय वाले करदाता को कुल 1.10 लाख रुपये का कर लाभ होगा।

निवेश पर 13% तक रिटर्न की उम्मीद



नई दिल्ली। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही निवेश पर रिटर्न के लिहाज से तो बेहतर रही, लेकिन दूसरी छमाही ने इस पर पानी फेर दिया। इसके कई कारण रहे हैं। लेकिन उम्मीद है कि कुछ समय में ये सभी पीछे छूट जाएं। ऐसा होता है तो 13 फीसदी तक रिटर्न मिल सकता है। शेयर बाजार में अक्टूबर से लेकर मार्च के पहले सप्ताह तक भारी गिरावट रही। अब इसमें थोड़ा सुधार है, क्योंकि जिस वजह से गिरावट हो रही थी, वह वजह खत्म होती दिख रही है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारी-भरकम बिकवाली की, जिससे बाजार 15 फीसदी तक टूट गया। हालांकि, पिछले छह कारोबारी सत्रों में इन निवेशकों ने 31,000 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। अमेरिकी टैरिफ अभी भी अनिश्चितता के भंवर में है। इस पर कोई स्पष्टता नहीं है। देशों के बीच तनाव भी है। अप्रैल में टैरिफ पर बहुत ज्यादा स्पष्टता आएगी। इसके बाद विदेशी निवेशक भी भारतीय बाजार में तेजी से लौटेंगे। देशों के बीच तनाव भी कम होगा। कम्पैडिटीज की कीमतें घटी हैं और इससे महंगाई भी कम हो रही है। जिससे ब्याज दरें घट रही हैं। ऐसी स्थिति में पूरे वित्त वर्ष में बीएसई सेंसेक्स 10-13 फीसदी तक ऊपर जा सकता है। बैंकों के फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी में निवेश करना चाहते हैं तो यह सही समय है, क्योंकि अप्रैल के दूसरे हफ्ते में आरबीआई अपनी बैट्रक में फिर से रेपो दर घटा सकता है। ऐसे में लोन के साथ एफडी पर भी दरें घटेंगी। अभी बड़े बैंक 7.5 फीसदी ब्याज दे रहे हैं। ऊंचा ब्याज पाने का अब भी समय है। ध्यान रहे कि एफडी अवधि एक साल की हो। हो सकता है उसके बाद ब्याज दरें बढ़ जाएं। ऐसे में आप एक साल के लिए पैसा जमा कराते हैं तो एक साल बाद फिर से उसे ऊंची ब्याज दर पर फिक्स्ड कर सकते हैं। सोना पिछले हफ्ते जहां पहली बार 92,000 रुपये प्रति दस ग्राम के पार चला गया, वहीं चांदी 1.03 लाख रुपये प्रति किलो के पार चली गई। सोना और चांदी ऐसे निवेश के साधन हैं, जो लंबे समय में बेहतर रिटर्न देने में कामयाब रहे हैं। एक दशक में दोनों का रिटर्न दो अंकों से ज्यादा रहा है।

ये आंकड़े जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना व सामाजिक-आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों पर आधारित होगा

वित्त मंत्री आज राज्य आर्थिक मंच पोर्टल का करेंगी शुरुआत

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को “नीति एनसीईआर राज्य आर्थिक मंच” पोर्टल का शुभारंभ करेंगी। इस पोर्टल पर 2022-23 तक के (पिछले तीन दशकों) राज्यों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों से जुड़े आंकड़े उपलब्ध होंगे। इसके अलावे नए साल पर और भी कई बदलाव होने हैं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को “नीति एनसीईआर राज्य आर्थिक मंच” पोर्टल का शुभारंभ करेंगी। इस पोर्टल पर 2022-23 तक के (पिछले तीन दशकों) राज्यों के सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों से जुड़े आंकड़े उपलब्ध होंगे। नीति आयोग की राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीईआर) के सहयोग से विकसित यह पोर्टल, राज्यों की पांच श्रेणियों- जनसांख्यिकी; आर्थिक संरचना; राजकोषीय; स्वास्थ्य और शिक्षा- से जुड़े

डाटाबेस तक लोगों को सीधी पहुंच प्रदान करेगी। नीति आयोग ने एक बयान में कहा कि इसके अलावा, यह पोर्टल 28 भारतीय राज्यों के वृहद और राजकोषीय परिदृश्य की जानकारी भी उपलब्ध कराएगा। ये आंकड़े जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों पर आधारित होगा।

पोर्टल से वृहद, राजकोषीय, जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक रुझानों को समझने में सुविधा होगी। इसके अलावे, 1 अप्रैल से एक एक वित्तीय वर्ष की शुरुआत हो रही है। नया वित्तीय वर्ष शुरू होने के साथ ही देश के वित्तीय क्षेत्र से जुड़े कई बदलाव होने वाले हैं। नए बदलावों में आयकर नियम से जुड़े बदलाव, क्रेडिट कार्ड से जुड़े बदलाव, यूपीआई नियम में बदलाव और अन्य वित्तीय क्षेत्र के बदलाव शामिल हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट 2025 भाषण के



दौरान नए टैक्स स्लैब और दरों में बदलाव की घोषणा की।

ये संशोधित आयकर नियम भी 1 अप्रैल से लागू होंगे। नए आयकर नियमों के तहत, सालाना 12 लाख रुपये तक की आय वाले लोगों को आयकर का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। वेतनभोगियों को 75,000 रुपये की मानक कटौती का भी लाभ मिलेगा। जिससे नई कर व्यवस्था के तहत प्रभावी रूप से 12.75 लाख रुपये का वेतन कर-मुक्त हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, नई कर व्यवस्था के तहत कर स्लैब में भी बदलाव

किया गया है। कुछ कार्डधारकों के लिए रिवाइड पोइंट स्ट्रक्चर के मामले में क्रेडिट कार्ड के नियम भी बदलेंगे। सिंपलीक्लिक और एयर इंडिया एसबीआई प्लेटिनम क्रेडिट कार्ड के साथ एसबीआई कार्ड का उपयोग करने वालों को रिवाइड पोइंट स्ट्रक्चर में बदलाव देखने को मिलेगा। एयरलाइन के एयर इंडिया में विलय के बाद एक्सिस बैंक अपने विस्तार क्रेडिट कार्ड के लाभों में संशोधन करेगा। जो नए वित्तीय वर्ष में लागू हो जाएंगे। अगस्त 2024 में सरकार द्वारा शुरू की गई एकीकृत पेंशन योजना (ऋ) पुरानी पेंशन योजना की जगह लेगी और 1 अप्रैल से लागू होगी। नई पेंशन योजना नियम परिवर्तन से लगभग 23 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारी प्रभावित होंगे। इसके तहत कम से कम 25 साल की सेवा वाले कर्मचारियों को उनके अंतिम 12 महीनों के औसत मूल वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी।

यूपीआई नियम में बदलाव

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये दिशा निर्देश एक अप्रैल से लागू होंगे। 1 अप्रैल से निष्क्रिय नंबरों से यूपीआई भुगतान संभव नहीं होगा। एनपीसीआई ने बैंकों और थर्ड-पार्टी यूपीआई प्रदाताओं जैसे फोनो और गूगल पे को यूपीआई से जुड़े निष्क्रिय नंबरों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए दिशा-निर्देश लागू करने को कहा है। ये नंबर सुरक्षा से जुड़े जोखिम पैदा करते हैं। अगर यूपीआई से जुड़ा आपका मोबाइल नंबर लंबे समय से इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो आप 1 अप्रैल से अपने यूपीआई खाते तक पहुंच खो सकते हैं।

त्योहारों के एक साथ आने पर फिर रिकॉर्ड स्तर पर सोना

सोने की कीमत दूसरे दिन 3,077-3,078 डॉलर के बीच रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची

मुंबई। गुड़ी पाड़वा, नवरात्र और रमजान ईद जैसे त्योहार एक साथ आने की वजह से सोने-चांदी का बाजार में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत लगातार दूसरे दिन 3,077-3,078 डॉलर के बीच रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। गुड़ी पाड़वा, नवरात्र और रमजान ईद जैसे त्योहार एक साथ आने की वजह से सोने-चांदी का बाजार में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। वैश्विक बाजार में 28 मार्च को सोने की कीमत लगातार दूसरे दिन 3,077-3,078 डॉलर के बीच रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई।

लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त जारी रखते हुए सोना शुक्रवार को दिल्ली सराफा बाजार में 1,100 रुपये महंगा होकर 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। वैश्विक व्यापार युद्ध के बढ़ने और आर्थिक विकास पर इसके प्रभाव की आशंका से सोने में तेजी आई है। चांदी



1,300 महंगी होकर 1,03,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब पहुंच गई। 19 मार्च को यह 1,03,500 रुपये प्रति किलोग्राम के नई ऊंचाई पर पहुंच गई थी। त्योहारों के ठीक पहले सोने की कीमतों आई इस उछाल से जानकार भी उत्साहित हैं। इन खास मौकों को देखते हुए सोने में खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है। बीते कुछ समय में बढ़ी हुई कीमतों के कारण आभूषणों की मांग पर प्रभाव पड़ा है, लेकिन दूसरी ओर सोने की

निवेश मांग में तेजी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश में अधिक मांग गोल्ड ईटीएफ, सिक्कों की है। वलुड गोल्ड कार्डसिल के क्षेत्रीय सीईओ, भारत सचिन जैन का कहना है, पीढ़ियों से सोना भारतीय संस्कृति में निवेश से कहीं अधिक बढ़कर रहा है। यह शगुन का प्रतीक होने के साथ भारतीय परिवारों में एक मजबूत पैठ रखता है। इस साल सोने की कीमतों नई ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई हैं, जो मौजूदा समय में 90,000 रुपये प्रति

दस ग्राम से ऊपर है। इसकी वजह से आभूषणों की मांग प्रभावित हुई है, लेकिन दूसरी ओर गोल्ड ईटीएफ, डिजिटल गोल्ड और सिक्के व बार की मांग देखी गई है। जिस प्रकार से सोने ने साल दर साल रिटर्न दिया है, उसको देखते हुए सोने में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ा है। वे कहते हैं कि गुड़ी पाड़वा, आगदी, चैत्र नवरात्र और रमजान ईद जैसे त्योहारों के आने के साथ ही सोने की चमक बढ़ेगी, क्योंकि इस अवसर सोने की खरीदारी शुभता के लिए की जाती रही है, इसलिए उम्मीद है कि इस दौरान आम उपभोक्ता की ओर से खरीदारी दिखाई देगी। इसके अतिरिक्त मौसमी वजहों और शादी ब्याह से जुड़ी खरीदारी बढ़ने की संभावना है, हालांकि उद्योग जगत थोड़ा सतर्क है। बावजूद इसके उपभोक्ताओं में सोने में लेकर पहले से कहीं अधिक विश्वास मजबूत हुआ है, हमें उम्मीद है कि आगामी हफ्तों में मांग मजबूत होगी।

पॉलिसी धारकों को बाँम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत

मुंबई। किसी व्यक्ति की ओर से मेडिकलेम पॉलिसी के तहत मिलने वाली राशि को मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत चिकित्सा व्यय के लिए मिले मुआवजा राशि से नहीं काटा जा सकता। बंबई उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। किसी व्यक्ति को मेडिकलेम पॉलिसी के तहत मिलने वाली राशि को मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत चिकित्सा व्यय के लिए मिले मुआवजा राशि से नहीं काटा जा सकता। बाँम्बे हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। अदालत के इस फैसले से बीमाधारकों को बड़ी राहत मिल सकती है। न्यायमूर्ति एएस चान्दुरकर, न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की पूर्ण पीठ ने 28 मार्च को अपने फैसले में कहा कि मेडिकलेम पॉलिसी के तहत राशि दावेदार की ओर से बीमा कंपनी के साथ किए गए अनुबंध के आधार भुगतान होना चाहिए। पीठ ने कहा,

“हमारे विचार में, मेडिकलेम पॉलिसी के तहत दावेदार की ओर से प्राप्त किसी भी राशि की कटौती स्वीकार्य नहीं होगी। विभिन्न एकल व खंडपीठों की ओर से इस पर अलग-अलग विचार रखे जाने के बाद इस मुद्दे को पूर्ण पीठ को सौंप दिया गया था। पूर्ण पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय की ओर से पारित निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण को न केवल उचित मुआवजा देने का अधिकार है, बल्कि यह उसका कर्तव्य भी है। इसमें कहा गया है कि बीमा के कारण प्राप्त राशि, बीमाधारक द्वारा कंपनी के साथ किए गए सविदात्मक दायित्वों के कारण है। अदालत ने कहा कि प्रीमियम का भुगतान करने के बाद यह स्पष्ट है कि लाभार्थी राशि या तो पॉलिसी की परिपक्वता पर या मृत्यु पर, चाहे मृत्यु का तरीका कुछ भी हो, दावेदार के हिस्से में आएगी। अदालत ने कहा, आरोपी मृतक की दूरदर्शिता और बुद्धिमानी से किए गए वित्तीय निवेश का लाभ नहीं उठा सकता।

सीएनजी और पाइपड गैस की कीमतों में नरमी की उम्मीद

नियामक ने पाइप लाइन शुल्क बदलने का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली। तेल व गैस नियामक ने घरों में सीएनजी और पाइप के जरिए रसोई गैस बेचने वाली शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव दिया है। इस नीति के अमल में आने से उपभोक्ताओं को सस्ते दरों पर गैस उपलब्ध होने का अनुमान है। तेल व गैस नियामक पीएनजीआरबी ने नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचाने वाली पाइपलाइनों के लिए शुल्क निर्धारण की नई नीति का प्रस्ताव रखा है। अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है तो इससे सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में नरमी दिख सकती है। नियामक ने घरों में सीएनजी और पाइप के जरिए रसोई



गैस बेचने वाली शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव दिया है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने प्राकृतिक गैस को इसके उत्पादन वाले क्षेत्रों से या आयात बंदराहों से ले जाने वाली पाइपलाइनों पर लगाए गए क्षेत्रीय शुल्कों में परिवर्तन के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज जारी किया है। यह बदलाव उन संयंत्रों के लिए किया गया है जो इससे बिजली बनाते हैं। इसके अलावे इसका असर उन उर्वरक इकाइयों पर पड़ेगा जो

पाइप प्राकृतिक गैस की कीमत कम करने का प्रस्ताव लेकर आया है। टैरिफ विनियमन के विभिन्न पहलुओं पर हितधारकों से टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज (पीसीडी) वेबहेस्ट किया गया है। इसके तहत एकीकृत टैरिफ जोन को तीन से घटकर दो करने का प्रस्ताव रखा गया है। पीएनजीआरबी प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए ट्रांसमिशन शुल्कों को नियंत्रित करता है। इन्हें नियोजित पूंजी पर 12 प्रतिशत मानक रिटर्न प्रदान करने के लिए तय किया जाता है। ये शुल्क, पारंपरिक रूप से, पाइपलाइन की लंबाई के साथ विभाजित किए जाते थे और गैस स्रोत से दूर जाने पर बढ़ाए जाते थे।

इससे यूरिया बनाती हैं। इसके अलावे इससे वे शहरी गैस इकाइयां भी इससे प्रभावित होंगे जो इसे ऑटोमोबाइल को बेचने के लिए सीएनजी में बदल देती हैं और खाना पकाने के लिए इसे घरेलू रसोई तक पहुंचाती हैं। नियामक ने कहा, “निवेश लाने और देश में विशेष रूप से सीएनजी और घरेलू पाइप प्राकृतिक गैस (खाना पकाने के लिए घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाली) में गैस की खपत बढ़ाने के लिए एक और दृष्टिकोण सुधार में, पीएनजीआरबी घरेलू उपभोक्ताओं और परिवहन में इस्तेमाल होने वाली

खेल

सबालैंका ने पहली बार जीती मियामी ओपन खिताब

मियामी। आर्यना सबालैंका ने फाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को हराकर मियामी ओपन का अपना पहला खिताब जीता। पिछले साल के यूएस ओपन फाइनल के रीमैच में, शुरुआती सेट में तीन बार अपनी शानदार सर्विस टूटने के बावजूद, दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सबालैंका ने शक्तिचिंत होकर 5-6 पर महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया, जिसने उन्हें चौथी रैंकिंग वाली पेगुला पर 1 घंटे 28 मिनट में 7-5, 6-2 से जीत दिलाई और अपना पहला मियामी ओपन मास्टर्स 1000 खिताब जीता। यह सबालैंका के लिए एक बड़ी जीत थी, जिन्हें अपने पिछले दो फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई ओपन (मैडिसन कीज से) और इंडियन वेल्स (मोरा एंड्रैया से) में मामूली हार का सामना करना पड़ा था।आखि्रकार, मैं फाइनल में अपनी सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलने में सक्षम थी, और मैं परिणाम और प्रदर्शन से बहुत खुश हूँ, मैं कहूँगी, इन महीनों के लिए। इसलिए, इस खूबसूरत (फिटल बुच बुचोलज) ट्रॉफी को पकड़कर बहुत खुश हूँ।ईमानदारी से इस मैच में जाने से पहले, मेरी मानसिकता थी कि चाहे कुछ भी हो जाए, अगर वह मुझे तोड़ने वाली है, तो मेरी मानसिकता वहां रहने, खुद पर ध्यान केंद्रित करने, हर अंक के लिए लड़ने की थी, चाहे कुछ भी हो। सबालैंका ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं एक और फाइनल नहीं हारना चाहती थी।

फाइनल में हारना वाकई बहुत मुश्किल है। इसलिए अगर कोई ऐसा कहता, तो मैं कहती, ठीक है, यह एक लड़ाई होने वाली है, मैं इसके लिए तैयार हूँ।सबालैंका अब अपने करियर में आठ डब्ल्यूटीए 1000 एकल खिताब जीत चुकी हैं, जो मारिया शारापोवा के कुल खिताबों की बराबरी है। 2009 में उस स्तर से लेकर अब तक डब्ल्यूटीए 1000 खिताबों में उनसे आगे केवल सेरेना विलियम्स (13),



विकटोरिया अजारेका (10), इगा स्वीयाटेक (10), सिमोना हालेप (9) और पेट्र कितोवा (9)

दूर एकल खिताब जीता। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, उनके 19 में से 17 खिताब उनके प्रिय हार्ड कोर्ट पर आए हैं, जिसमें उनके तीनों ग्रैंड स्लैम एकल खिताब शामिल हैं - 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2024 यूएस ओपन।26 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने छह मैचों में से किसी में भी एक भी सेट नहीं गंवाया क्योंकि उन्होंने गत चैंपियन डेनियल कोलिनस, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और नौवीं रैंक वाली किन्वेन जेंग, सातवीं रैंक वाली जैस्मीन पाओलिनी और चौथी रैंक वाली पेगुला को हराया, जो यकीनन ग्रह पर दूसरी सर्वश्रेष्ठ हार्ड-कोर्ट खिलाड़ी हैं। सबालैंका के करियर में यह केवल दूसरी बार है कि वह एक ही इवेंट में तीन शीर्ष 10 खिलाड़ियों को हारने में सफल रही, जो 2022 डब्ल्यूटीए फाइनल (पेगुला, ओन्स जाबैर और स्वीयाटेक) से शुरू हुआ।

आईपीएल के नियमों के साथ बार-बार खिलवाड़ कर रहे हैं हार्दिक

नईदिल्ली। मुंबई इंडियंस 18वें संस्करण में अपनी पहली जीत तलाश रही है। पहले दोनों मुकाबले हारने के बाद उनके होसले पस्त हो गए हैं। कैप्टन हार्दिक पांड्या गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपनी टीम की हार नहीं टाल सके. कप्तानी के साथ-साथ उनकी बल्लेबाजी भी बेहद साधारण रही।

इतना ही नहीं, 31 वर्षीय खिलाड़ी ने आईपीएल के नियमों का भी उल्लंघन किया. जिसके लिए उनपर जुर्माना लगाया गया है. आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के साथ मैच में हार्दिक पांड्या धीमी ओवर गति के तहत नप गए. उनकी अगुवाई में मुंबई इंडियंस निर्धारित समय में अपने पूरे ओवर नहीं कर पाई. हार्दिक आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघन मामले में पाए गए हैं. उनपर आईपीएल की गर्विनी काउंसिल ने 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। हार्दिक पांड्या



इससे पहले एक मैच का बैन झेल चुके हैं. पिछले सीजन में वह तीन बार स्लो ओवर-रेट के नियमों के उल्लंघन में पाए गए थे। पुराने नियमों के तहत उनपर एक मैच का प्रतिबंध लगा. 2024 आईपीएल में मुंबई के आखिरी मैच में इस खिलाड़ी ने तीसरी बार ये किया था। इसके बाद नियमानुसार आईपीएल 2025 में पहला मुकाबला खेलने से पांड्या प्रतिबंधित थे. यही वजह है कि एमआई के कैप्टन सीएसके के खिलाफ मैच में बाहर बैठे थे। आईपीएल की गर्विनी काउंसिल ने 18वें सीजन को लेकर नियमों में

बड़ा बदलाव किया. उन्होंने स्लो ओवर-रेट के तहत खिलाड़ियों पर लगाए जाने वाले बैन को हटा दिया. पुराने नियमों के मुताबिक अगर कोई कैप्टन तीन बार धीमी ओवर गति में पाया जाता है, तो उसपर एक मैच का बैन लगेगा. हालांकि अब ऐसा नहीं है. नए नियमों के मुताबिक किसी भी प्लेयर पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। अब खिलाड़ियों के खाते में डीमेरिट पॉइंट जोड़े जाएंगे. अगर कोई खिलाड़ी चार बार स्लो ओवर-रेट नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसपर मैच फीस का 25 से लेकर 75 प्रतिशत तक जुर्माना लगेगा।



सीएम यादव आज करेंगे स्कूल चलें हम अभियान-2025 का शुभारंभ

राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम भी होगा

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक अप्रैल मंगलवार को शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी (ओल्ड कैपियन) में प्रातः 9 बजे स्कूल चलें हम अभियान - 2025 का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम भी होगा। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्कूल चलें हम अभियान कार्यक्रम के डिजिटल प्लेटफार्म पर लाइव प्रसारण की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री

डॉ. यादव कार्यक्रम में नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करेंगे। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल 3.0 का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्राथमरी, मीडिल, हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

एजुकेशन पोर्टल 3.0
इस वर्ष एक अप्रैल से नवीन शैक्षणिक सत्र शुरू होने जा रहा है। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2025 के माध्यम से समस्त शासकीय-अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश की कार्रवाही एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर

प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में एक अप्रैल को शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित शाला में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक-सत्र की शुरुआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी और मैदानी अमले को विभाग द्वारा निर्देश जारी कर दिये गये हैं। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा। कक्षा-1 से 8 तक सभी शालाओं में

एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गयी है।

संभाग स्तर के 8 डिपो के माध्यम से किताबों की व्यवस्था
स्कूल शिक्षा विभाग का प्रयास है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों को शिक्षण सत्र शुरू होते ही अप्रैल माह में निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध हो जायें। कक्षा एक से कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिये करीब 5 करोड़ 60 लाख पुस्तकें, एक करोड़ 2 लाख फाउंडेशनल लिटरेसी एण्ड न्यूमेसी (एफएलएन) अभ्यास पुस्तिकाएं और करीब 26 लाख ब्रिज कोर्स की पुस्तकें निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्कूल चलें हम

अभियान के दूसरे दिन दो अप्रैल को शालाओं में “भविष्य से भेंट” कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियाँ सुनायेंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वैच्छ से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे। जिला कलेक्टर को जिले के

प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिये संवाद करने के भी निर्देश दिये गये हैं। “स्कूल चलें हम अभियान” के अंतर्गत 3 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जुड़ाव करना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं को जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक-सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को सभा में सम्मनित किया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

रोपवे ट्रॉली की छत पर बैठे नजर आए दो कर्मचारी सलकनपुर देवी धाम में लापरवाही का वीडियो; पुलिस ने दी चेतावनी



सीहोर/नवप्रदेश। सीहोर जिले के सलकनपुर में 800 फीट ऊंची पहाड़ी पर बने प्रसिद्ध मां विजयासन देवी धाम में रोपवे ट्रॉली की छत पर बैठकर दो युवक जाते नजर आए। सुरक्षा नियमों में अनदेखी का वीडियो सोमवार को सामने आया। बुधनी एसडीओपी रवि शर्मा ने इस मामले की पुष्टि की है। इस मामले में रोपवे संचालक ने पुलिस को बताया कि ये उनके कर्मचारी थे, जो रूटीन चेकिंग कर रहे थे। हालांकि, पुलिस ने इस पर आपत्ति जताई क्योंकि कर्मचारी बिना सुरक्षा उपकरण और हेलमेट के रोपवे पर बैठे थे। पुलिस ने उन्हें चेतावनी दी।

प्रतिदिन 900 श्रद्धालु करते हैं यात्रा
सलकनपुर में रोपवे प्रभारी राजू श्रीवास्तव का कहना है कि अभी नवरात्रि मेले के चलते सुबह 4 से रात 10 बजे तक रोपवे चलता है। प्रतिदिन लगभग 900 श्रद्धालु रोपवे के माध्यम से आते-जाते हैं। आने-जाने के लिए 120 रुपए किराया है। रोप वे पर एक बोगी में 6 लोग बैठते हैं।

हर घंटे होती है रोपवे की जांच
श्रीवास्तव ने बताया मेले में हर घंटे रोपवे की जांच की जाती है कि कहीं कोई जाम या दिक्कत तो नहीं है। उसी प्रकार की चेकिंग की जा रही थी जो कर्मचारी रोप वे के ऊपर बैठे थे वह सेफ्टी बेल्ट लगाए हुए थे। नवरात्रि के इस पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर पहुंचने के लिए तीन मार्ग हैं- सड़क, सीढ़ी और रोपवे। पुलिस ने रोपवे संचालक को कड़ी चेतावनी दी है। उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में कोई भी कर्मचारी बिना सुरक्षा उपकरणों के रोपवे पर न बैठे।

पशुपालन राज्य मंत्री पटेल द्वारा बुल मंदर फार्म का निरीक्षण

भोपाल/नवप्रदेश। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल द्वारा सोमवार को बुल मंदर फार्म एवं भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला, भोपाल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने विभिन्न नस्लों गिर, थारपारकर एवं राठी नस्ल की गायों को देखा और फार्म पर किये जा रहे विभिन्न कार्यों के बारे में डॉ. राजू रावत, प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम एवं डॉ. अमिताब बैनर्जी, प्रबंधक, बुल मंदर फार्म से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान राज्य मंत्री श्री पटेल ने मंदर फार्म एवं भ्रूण प्रत्यारोपण प्रयोगशाला के शेड की छतों पर सोलर पैनल लगवाने के निर्देश दिए, जिससे बिजली उत्पादन कर आय बढ़ाई जा सके। साथ ही आईवीएफ के आवर्ती व्यय के लिए राशि उपलब्ध कराने हेतु परियोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक डॉ. राजू ने बताया कि विभागीय मंत्री द्वारा पूर्व में भ्रमण के दौरान बुल मंदर फार्म के सुदृढीकरण एवं नए पशु लाने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के अनुपालन में प्रोजेक्ट तैयार कर लिया गया है, जिसे भारत सरकार को भेजे जाने हेतु बैठक में रखा जायेगा। इसी प्रकार अधिक दुग्ध उत्पादन हेतु पशुओं को साइलेज खिलाते के निर्देश भी दिए गए थे। इस संबंध में पशुपालन विभाग द्वारा निविदा की कार्यवाही कर साइलेज के दाम प्राप्त किए गए हैं। उन्हीं दामों पर पशुओं के लिए साइलेज ऋय करने की कार्यवाही की जा रही है।

सीएम यादव ने सदाकाल गुजरात-भोपाल कार्यक्रम में पधारे गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल का किया स्वागत

नर्मदा मैया ने किया है दोनों राज्यों को समृद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दोनों राज्यों के बीच परस्पर सहयोग की सुदृढ़ परम्परा है : पटेल

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार की शाम स्टेट हैंगर भोपाल पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात के गृहमंत्री श्री हर्ष संधवी के आगमन पर उनका पुष्प-गुच्छ और अंगवस्त्र से स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुजरात के मुख्यमंत्री श्री पटेल और गृह मंत्री श्री संधवी को राजा भोज की प्रतिमा भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा मैया ने मध्यप्रदेश और गुजरात को समृद्ध बनाने का कार्य किया है। मध्यप्रदेश में अनेक नगरों में बड़ी संख्या में गुजराती बंधु निवास करते हैं। गुजरात के साथ ही मध्यप्रदेश से भी अन्य देशों तक जाकर गुजराती समाज के उद्यमियों और प्रोफेशनल्स ने परिश्रम से स्थान बनाया है। गुजरात के मुख्यमंत्री श्री पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के स्वागत से भाव-विभोर होकर



कहा कि उन्हें यहां आकर आत्मीयता का अहसास हुआ है। गुजरात और मध्यप्रदेश के बीच परस्पर सहयोग की सुदृढ़ परम्परा है। सदाकाल गुजरात-भोपाल के माध्यम से इन संबंधों में नया आयाम जुड़ रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री श्री पटेल सदाकाल

गुजरात-भोपाल का कार्यक्रम किया गया। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही गुजराती व्यंजनों का उत्सव भी आयोजित किया गया है। इस अवसर पर गुजरात के अनेक मंदिरों के वर्चुअल दर्शन की व्यवस्था भी रविंद्र भवन भोपाल में की गई। गुजरात सरकार ने गुजरात स्टेट नॉन रेजिडेंट गुजराती फाउंडेशन के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया है।

स्टेट हैंगर परिसर में किया पौधरोपण, गुजराती समाज ने की भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री पटेल ने स्टेट हैंगर परिसर में संयुक्त रूप से आम का पौधा लगाया। इस अवसर पर गुजराती समाज भोपाल के श्री संजय पटेल, श्री हर्षद, श्रीमती प्रिया पाटीदार, श्री चेतन पटेल, रेनका मेहता और अन्य पदाधिकारियों ने गुजरात के मुख्यमंत्री श्री पटेल से सौजन्य भेंट की। गुजरात के मुख्यमंत्री से श्री राहुल कोठारी एवं अन्य जन-प्रतिनिधियों ने भी भेंट कर उनका स्वागत किया।

बैतूल में एम.पी. ट्रांसको के कार्मिकों ने सीखीं जीवन रक्षक तकनीक

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) स्थानीय जिला चिकित्सालयों और मेडिकल कॉलेजों के सहयोग से मध्यप्रदेश में एम.पी. ट्रांसको के कर्मियों के लिए “सी.पी.आर. एवं अन्य ऐसे ही जीवन रक्षक तकनीकों” पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में एक प्रशिक्षण कार्यशाला बैतूल में आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यशाला में कंपनी के बैतूल स्थित सबस्टेशन एवं अति उच्चदाब संधारण बैतूल के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को मेडिकल ऑफिसर डॉ. रानू वर्मा द्वारा व्यवहारिक और उपयोगी प्रशिक्षण दिया गया। कंपनी के कार्मिकों एवं समाज के लिए बहुउपयोगी एवं जीवनरक्षक इस कार्यशाला के सफल आयोजन में

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में इटारसी के पास चलती ट्रेन की बोगी में आग लग गई। ये घटना सोमवार दोपहर करीब 4 बजे इटारसी और बानापुरा के बीच में खुटवासा रेलवे स्टेशन के पास की बताई जा रही है। घटना अहमदाबाद-बरोनी एक्सप्रेस में हुई है। अहमदाबाद से चलकर बरोनी जाने वाली ये ट्रेन दोपहर करीब 2 बजे खंडवा से इटारसी की ओर रवाना हुई थी। धरमकुंडी स्टेशन निकलने के बाद खंबा नंबर 724/12 के पास ट्रेन गाई ने धुआं निकलते देखा। जिसके बाद ट्रेन को अचानक रोका गया। ट्रेन के रुकने और आग की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया।

आग लगने के बाद ट्रेन करीब सवा घंटे तक खड़ी रखी। बाद में आग वाले कोच को

अहमदाबाद-बरोनी एक्सप्रेस में आग: इटारसी के पास सवा घंटे खड़ी रही ट्रेन

आग वाली बोगी को अलग कर रवाना की गई

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में इटारसी के पास चलती ट्रेन की बोगी में आग लग गई। ये घटना सोमवार दोपहर करीब 4 बजे इटारसी और बानापुरा के बीच में खुटवासा रेलवे स्टेशन के पास की बताई जा रही है। घटना अहमदाबाद-बरोनी एक्सप्रेस में हुई है। अहमदाबाद से चलकर बरोनी जाने वाली ये ट्रेन दोपहर करीब 2 बजे खंडवा से इटारसी की ओर रवाना हुई थी। धरमकुंडी स्टेशन निकलने के बाद खंबा नंबर 724/12 के पास ट्रेन गाई ने धुआं निकलते देखा। जिसके बाद ट्रेन को अचानक रोका गया। ट्रेन के रुकने और आग की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया।

आग लगने के बाद ट्रेन करीब सवा घंटे तक खड़ी रखी। बाद में आग वाले कोच को

जबलपुर में धर्मांतरण का आरोप लगाकर बस रोकी,थाने ले गए

हिंदूवादी संगठन बोले- क्रिश्चियन हैं तो आईडी बताएं; टीआई बोले-जबरदस्ती धर्मांतरण की बात नहीं

जबलपुर/नवप्रदेश। जबलपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक यात्री बस को रोक कर राड़ी थाने पहुंच गए। संगठन के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बस में मंडला के महाराजपुर से लाए आदिवासी लोग मिले हैं, जिन्हें धर्म परिवर्तन करवाने के लिए चोरी-छिपे यहां लाया गया था। बस को भंवरताल पार्क पर रोका गया था, हालांकि हिंदूवादी संगठनों के पहुंचने पर बस का चालक फरार हो गया, जिसे पीछा करते हुए राड़ी में पकड़ा गया। पुलिस ने सभी लोगों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

यात्री बोले- हम लोग अपनी मर्जी से आए
बस में सवार एक युवती ने बताया कि हम लोग तो बस से तीर्थ यात्रा पर आए थे और चर्च जा रहे थे। तभी कुछ अंकों ने हमें रोका और बाद में पुलिस स्टेशन ले आए। वे कह रहे हैं कि हम लोगों को बहकाया जा रहा है। लेकिन हम अपनी मर्जी से यहां आए हैं। बस का किराया भी हमने ही दिया है। हमने 500-500 रुपए दिए हैं। हमें बस चर्च लेकर जा रही थी। हमने खुद तय किया था कि हम यहां आएंगे। इस मामले में विश्व हिंदू परिषद के सदस्य संजय तिवारी ने कहा कि अगर ये लोग

एक बस निकल गई। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने बस यात्रियों से मिलने आए दो लोगों के साथ थाने में ही मारपीट कर दी। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यह लोग आदिवासी लोगों का मन डायवर्ट करते हुए उन्हें धर्मांतरण के लिए दबाव बना रहे थे। इस दौरान हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं की पुलिस से भी जमकर बहस हुई।

जबरदस्ती धर्मांतरण की बात नहीं, चर्चों के भ्रमण पर निकले थे लोग
मामले में थाना प्रभारी मानस द्विवेदी ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के द्वारा

इस बस थाने लाया गया था, जिसमें क्रिश्चियन समाज के लोग बैठे थे। उनकी संख्या लगभग 50 थी। वे सभी महाराजपुर, मंडला के निवासी थे और वहीं के चर्च से संबंधित है। ये लोग ईस्टर त्योहार से पहले अलग-अलग चर्चों के भ्रमण और तीर्थ यात्रा के उद्देश्य से रवाना हुए थे। उन्हें भंवरताल गार्डन के पास स्थित चर्च और राड़ी स्थित चर्च का भ्रमण कर सदर होते हुए वापस जाना था। इस बीच, संगठनों द्वारा धर्मांतरण संदेह व्यक्त किया गया, जिसके चलते पूछताछ की जा रही है। हम मंडला की टीम से भी संपर्क में हैं।